सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 81, नई दिल्ली । रविवार, 02 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जितना और हारना यह तो आपकी सोच पर निर्भर करता है मान लो तो हार होगी और ठान लो तो जीत होगी।

03 उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में विशेष लोक अदालत का होगा आयोजन

06 टूटी सडक़ों के दरमियां कुल्लू की सैरगाहें

08 केजरीवाल-येचुरी समेत इन दिग्गजों ने बताया कितनी सीटें जीत रहा INDI गठबंधन

पर्यावरण पाठशाला - पानी बचाओ अभियान: बच्चों का योगदान

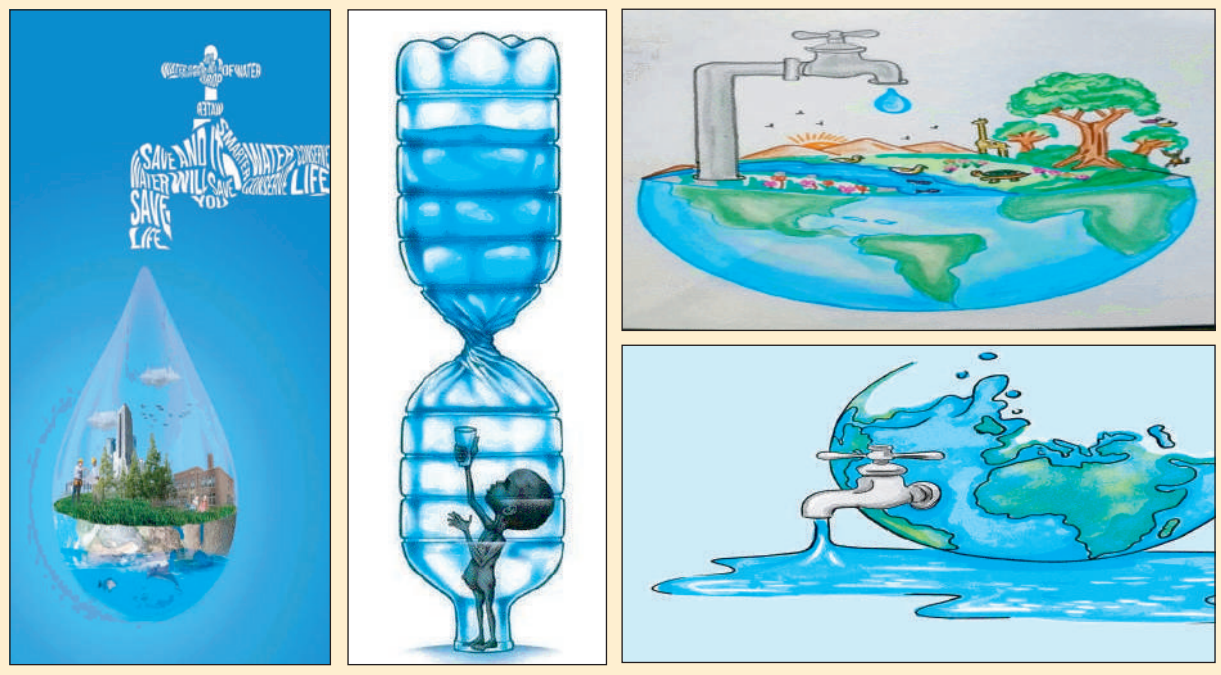

प्रिय बच्चों,

आप सबसे अच्छा संसाधन हो सकते हैं जो हमारे "पानी बचाओ अभियान" को सफल बना सकते हैं। परिवहन विशेष और इंडियन ग्रीन बडी के साथ मिलकर, हमें आपके सहयोग की आवश्यकता है। यहां हम आपके लिए पानी बचाने के कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दे रहे हैं, जिन्हें आप अपने रोजमर्रा के जीवन में अपना सकते हैं।

पानी बचाने की चेकलिस्ट:

ब्रश करते समय नल बंद करें: ब्रश करते समय नल को खुला न छोड़ें। इससे बहुत सारा पानी बर्बाद हो जाता है।

नहाने के लिए बाल्टी का उपयोग करें: शावर के बजाय बाल्टी और मग से नहाएं। इससे पानी की खपत कम होगी।

लीकेज को ठीक करें: घर में कहीं भी लीकेज हो तो उसे तुरंत ठीक करवाएं।

रिसाइकल करें: जिन कामों में पानी का उपयोग हो चुका है, उसे पौधों में डालने के लिए इस्तेमाल करें।

वर्षा जल संचयन: अपने घर में वर्षा जल संचयन प्रणाली लगवाएं। यह भूजल स्तर को बढ़ाने में मदद करेगा।

पानी का विवेकपूर्ण उपयोग: घर के कामों में जरूरत से ज्यादा पानी का इस्तेमाल न करें।

वाहनों की धुलाई: कार या साइकिल की धुलाई के लिए पाइप का उपयोग न करें, इसके बजाय बाल्टी और कपड़े का उपयोग करें।

बनें जल रक्षक और साझा करें अपनी कहानी:

हम चाहते हैं कि आप पानी बचाने के इन तरीकों को अपनाएं और जल रक्षक बनें। अपनी कहानी और अनुभव हमें 5 जून से पहले indiangreenbuddy@gmail.com पर भेजें। आपकी छोटी-छोटी कोशिशें बड़ा बदलाव ला सकती हैं। आइए, हम सब मिलकर एक स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएं।

धन्यवाद !

परिवहन विशेष और इंडियन ग्रीन बडी

दिल्ली की जनता को जल्द मिलेंगे सुरक्षित और आरामदेय ई रिक्शे

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़को पर परिवहन विभाग की शय और सरक्षण में चल रहे बिना फिटनेस, बिना इंश्योरेंस, बिना पंजीकरण बिना विधिमान्य चालक लाइसेंस के ई रिक्शा पर मजबूरी में सफर करने वालो के लिए बडी खुश खबरी। दिल्ली की सड़को पर आने वाले 90 दिनों में एक ई रिक्शा निर्माता कंपनी ऐसा रिक्शा उतारने जा रही है जो जनता को आरामदायक सफर की साथ सुरक्षित सफर प्रदान करने का लिखित आश्वासन भी प्रदान करेगा। दिल्ली की सड़को पर 12 महीने 24 घंटो में कभी भी जब आप इस ई रिक्शा पर सफर करेंगे तो आपके सफर सुरक्षा के प्रति इस कम्पनी की तरफ़ से चालित जीपीएस/ वीएलटीडी संयत्र आपके सफर का डाटा 3 महीने तक सुरक्षित रखेगा और जरुरत पड़ने पर कानूनी कार्रवाई के लिए प्रस्तुत करने के लिय जिम्मा लेगी।

अब आप सोचे जिस के निगरानी की नाम पर परिवहन विभाग वाहन मालिकों से पिछले अनगिनत सालो से फीस लेकर अपना घर भरती रही पर जनता को सुविधा उपलब्ध नहीं कराई बह सुविधा स्वयं ई रिक्शा वाहन निर्माता जनता को उपल्ब्ध करवाने का लिखित आश्वासन के साथ जनता के लिए आराम दायक वाहन सड़को पर उतारने जा रहा है। **है ना दिल्ली की जनता के लिए अच्छी खबर टोलवा**

पानी तो दूर शेड तक नहीं... गर्मी से 'धधक' रही दिल्ली के बस स्टॉप्स पर रिएलिटी देख लीजिए

दिल्ली में बीते कुछ दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए दिल्ली एलजी विनय कुमार सक्सेना ने बस स्टैंड पर पानी का इंतजाम करने के निर्देश दिए लेकिन उनके आदेश का कई जगहों पर पालन नहीं किया जा रहा है। कई जगहों पर जाकर रिएलिटी चेक किया...

नई दिल्ली। दिल्ली में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बस यात्रियों को गर्मी से बचाने के लिए बस स्टॉप्स पर पानी का इंतजाम करने और घड़े रखने का निर्देश दिया था। बुधवार को जारी हुए इस आदेश के दो दिन बाद शुक्रवार को एक टीम ने दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में जाकर पता लगाया कि इस आदेश का कितना पालन हो रहा है। रिएलिटी चेक में सामने आया कि इक्का-दुक्का जगहों को छोड़कर अभी तक कहीं पर भी बस स्टॉप्स पर पानी की व्यवस्था नहीं की गई है। स्पेशल रिपोर्ट:

पानी के लिए जाना पड़ता है दूर

दिल्ली के सबसे बड़े और प्रमुख बस टर्मिनल्स में से एक नेहरू प्लेस टर्मिनल पर पानी की कोई व्यवस्था नहीं दिखाई दी। यहां पर लगातार बसों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में यहां पर बड़ी संख्या में यात्री भी आते-जाते हैं। भीड़ ज्यादा रहने की वजह से यहां आसपास पानी की रेहड़ियां लगाने की भी अनुमति नहीं है। ऐसे में लोगों को पानी ढूंढने के लिए दूर चलकर जाना पड़ता है।

पूरे टर्मिनल में कहीं पानी नहीं

वेस्ट दिल्ली के सबसे बड़े बस टर्मिनल पर बसों का इंतजार कर रहे लोग धूप से बचने के लिए छांव में खड़े थे। कुछ लोगों के हाथों में पानी की बोतलें भी दिखाई दीं, लेकिन यहां भी एलजी के आदेश के बावजूद पानी का कोई इंतजाम नहीं किया गया था। ड्राइवरों और कंडक्टरों का कहना था कि उन्हें भी पानी खरीद कर ही पीना पड़ता है, क्योंकि पूरे टर्मिनल परिसर में कहीं पर भी पानी की व्यवस्था नहीं है। टर्मिनल इंचार्ज ने बताया कि अभी तक कोई आधिकारिक आदेश नहीं आया है। इस बारे में पूछने के लिए उन्होंने अपने सीनियर अधिकारी को पत्र भी लिखा है।

प्याऊ बना लोगों का सहारा

यहां प्रशासन की तरफ से तो पानी का कोई इंतजाम नहीं किया गया है, लेकिन पास में बना एक प्याऊ लोगों का सहारा है। रूट नंबर 212 के स्टैंड के पास बने प्याऊ पर पानी पीने आए ऑटो ड्राइवर मनोज और सुमित ने बताया कि दिल्ली में प्याऊ तो अब इक्का दुक्का जगहों पर ही देखने को मिलते हैं। मौजपुर से सवारी लेकर आ रहे सुमित ने बताया कि मैं काफी दूर से ही देखता आ रहा था कि कहीं पानी मिल जाए, आखिरकार यहां पहुंचकर प्याऊ मिला है। उनका कहना था कि अगर दिनभर खरीदकर पानी पीते रहे, तो शाम को घर क्या कमा कर ले जाएंगे। नंद नगरी बस डिपो के सामने बने बस स्टैंड पर भी पानी की कोई व्यवस्था नहीं दिखी।

पानी तो दूर, शेड तक नहीं

नरेला बस टर्मिनल पर पानी की सुविधा तो दूर, धूप से यात्रियों को बचाने के लिए शेड तक नहीं है। शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे चिलचिलाती धूप में यहां यात्री खुले

आसमान के नीचे खड़े होकर अपने रूट की बस आने का इंतजार कर रहे थे। यहां खड़ी पुष्पा देवी ने कहा कि न तो सरकार की तरफ से और न ही किसी संस्था की तरफ से पानी की कोई व्यवस्था की गई है। वह अपने घर से पानी की छोटी बोतल भरकर लाई थीं, लेकिन बस का इंतजार करते-करते वह भी खाली हो गई थी।

पानी की अभी कोई व्यवस्था नहीं

पूर्वी दिल्ली के इस व्यस्त टर्मिनल पर भी पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। टर्मिनल के दूसरी तरफ बना एक प्याऊ ही यहां पर लोगों का सहारा बना हुआ था। यहां खड़ी एक इलेक्ट्रिक बस के ड्राइवर ने बताया कि हमें तो अभी तक किसी भी बस स्टॉप पर पानी की अलग से कोई व्यवस्था होती नहीं दिखाई दी है। हम लोग तो जगतपुरी स्टॉप के पास एक जगह से पानी भरते हैं। वहां साफ और अच्छा पानी मिलता है। उन्होंने कहा कि अगर रास्ते में और जगह भी पानी मिलने लगे, तो इससे अच्छी बात और क्या होगी।

एक ही जगह मिला घड़े का पानी

इतनी जगहों में से केवल लक्ष्मी नगर ही एकमात्र ऐसा बस स्टैंड था, जहां बस यात्रियों के लिए पीने के ठंडे पानी की व्यवस्था की गई थी। विकास मार्ग के इस व्यस्त बस स्टैंड पर ठंडे पानी का एक घड़ा बांधकर रखा गया था। साथ में डिस्पोजेबल गिलास भी रखे हुए थे। इनकी देखभाल करने के लिए ट्रांसपोर्ट विभाग का एक कर्मचारी भी तैनात था, जो पानी पीने आ रहे लोगों को गिलास में पानी भरकर दे रहा था। कर्मचारी ने बताया कि आज से ही यहां पर यह व्यवस्था की गई है। इससे लोगों को बहुत राहत मिल रही है और कई लोग पानी पीने के लिए यहां आ रहे हैं।

पानी की रेहड़ी से चल रहा काम

इस बिजी बस स्टॉप पर धूप में खड़े यात्री बसों के आने का इंतजार कर रहे थे। पानी की व्यवस्था के नाम पर यहां भी कुछ नहीं था। बगल में एक रेहड़ी थी, जिस पर 2 रुपये प्रति गिलास के हिसाब से पानी बिक रहा था। यहां खड़े मुकेश कुमार से जब पूछा, तो उन्होंने कहा कि मैंने भी अखबारों में पढ़ा था कि अब बस स्टॉप पर पानी के घड़े रखे जाएंगे, लेकिन मुझे तो अभी तक कहीं घड़े नहीं दिखाई दिए। अलबत्ता रेहड़ियां जरूर खड़ी रहती हैं, लेकिन उन पर मुफ्त में पानी नहीं मिलता। जिसको बहुत जरूरत होती है, वहीं खरीद कर पानी पीता है। आगे शकरपुर स्कूल ब्लॉक के बस स्टॉप पर भी पानी का कोई इंतजाम नहीं था।

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा : विवाद से बचें और जिम्मेदार नागरिक बनें

सड़क सुरक्षा आज के समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गई है। दिन-ब-दिन बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं हमें यह सोचने पर मजबूर कर रही हैं कि हम कहाँ गलत जा रहे हैं। एक बड़ा कारण यह भी है कि हम अक्सर सड़क पर बहस में उलझ जाते हैं, बजाय इसके कि हम सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और जिम्मेदार नागरिक बने।

सड़क पर बहस के नकारात्मक प्रभाव:

जब हम सड़क पर होते हैं और किसी दूसरे वाहन चालक से बहस में उलझते हैं, तो हमारी पूरी ऊर्जा और ध्यान बहस जीतने पर केंद्रित हो जाता है। इस दौरान हम अपने वाहन की गति, सड़क की स्थिति और आसपास के वाहनों पर ध्यान नहीं दे पाते। इसका परिणाम अक्सर गंभीर दुर्घटनाओं के रूप में सामने आता है।

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन:

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना हम सभी की जिम्मेदारी है। हमें यह समझना चाहिए कि यातायात संकेत, गति सीमा, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग, ये सब हमारी सुरक्षा के लिए ही बनाए गए हैं। जब हम इन नियमों का पालन करते हैं, तो ना केवल हम अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं बल्कि दूसरों की सुरक्षा में भी योगदान देते हैं।

कर्मों का फल:

कई आध्यात्मिक परंपराएं यह मानती हैं कि हमारे कर्मों का फल हमें अवश्य मिलता है। यदि हम सड़क पर संयम और धैर्य का पालन करते हैं, तो इसके सकारात्मक परिणाम हमें और समाज को मिलते हैं। लेकिन यदि हम सड़क पर आक्रामक व्यवहार करते हैं, बहस में उलझते हैं और नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो इसका परिणाम दुर्घटनाओं और जीवन की हानि के रूप में सामने आता है।

सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं:

सड़क पर किसी भी प्रकार की विवाद की स्थिति में, हमें शांत और संयमित रहना चाहिए। बहस में उलझने की बजाय, हमें समस्या का समाधान समझदारी और धैर्य के साथ करना चाहिए। यह ना केवल हमारी सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी भेजेगा।

सड़क सुरक्षा हमारे और हमारे प्रियजनों के जीवन की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि सड़क पर बहस से किसी भी समस्या का समाधान नहीं होता, बल्कि समस्याएं और बढ़ जाती हैं। हमें अपने कर्मों का परिणाम हमेशा याद रखना चाहिए और एक जिम्मेदार नागरिक की तरह सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए। इससे ना केवल हम सुरक्षित रहेंगे बल्कि समाज में भी एक सकारात्मक बदलाव ला सकेंगे।

डॉ अंकुर शरण, राष्ट्रीय मुख्य परिवहन एवं योजना अधिकारी
रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.)
roadsafetysquad@gmail.com

क्या ड्राइविंग स्कूल से सर्टिफिकेट लेने पर ड्राइविंग टेस्ट से मिल जाएगी छूट ? केंद्र ने किया साफ

केंद्र ने ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने के नियमों में कथित बदलावों के बारे में मीडिया रिपोर्टों के जवाब में स्पष्टीकरण जारी किया है। स्पष्टीकरण ADTC (एक्रेडिटेड ड्राइवर ट्रेनिंग सेंटर) और अन्य ड्राइविंग स्कूलों के नियमों और विनियमों पर केंद्रित है।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1 जून से चालक लाइसेंस जारी करने के नियमों में कथित बदलावों के बारे में हालिया मीडिया रिपोर्टों के जवाब में एक स्पष्टीकरण जारी किया है। स्पष्टीकरण मान्यता प्राप्त चालक प्रशिक्षण केंद्रों (एक्रेडिटेड ड्राइवर ट्रेनिंग सेंटर) (एडीटीसी) और अन्य ड्राइविंग स्कूलों को कंट्रोल करने वाले नियमों और विनियमों के इर्द-गिर्द घूमता है। मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में इस बात पर जोर दिया कि 1 जून 2024 से मौजूदा प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

एडीटीसी पर केंद्र ने क्या कहा : मंत्रालय ने कहा कि एडीटीसी से संबंधित नियम 7 जून 2021 को केंद्रीय मोटर वाहन नियमों (सीएमवीआर) में डाले गए थे और 1 जुलाई 2021 से पहले ही प्रभावी हो चुके हैं। सीएमवीआर के नियम 31बी से 31जे चालक प्रशिक्षण केंद्रों को मान्यता देने के मानकों और

प्रक्रियाओं को रेखांकित करते हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि ड्राइविंग स्कूलों के लाइसेंस और विनियमन से संबंधित मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम, 1988 की धारा 12, में मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा संशोधन किया गया था।

कोई नए प्रावधान नहीं लाए गए: मंत्रालय ने आगे कहा कि 2019 के संशोधन में उप-धारा (5) और (6) जोड़ी गईं, जो खासतौर पर केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित निकाय द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूलों या प्रतिष्ठानों से संबंधित हैं। मंत्रालय ने कहा कि सीएमवीआर, 1989 के नियम 126 में उल्लिखित परीक्षण एजेंसियों की सिफारिशों के आधार पर प्रासंगिक राज्य के परिवहन प्राधिकरण या केंद्र द्वारा अधिसूचित एक अधिकृत एजेंसी ही एडीटीसी के लिए मान्यता प्रदान कर सकती है।

मंत्रालय ने कहा, "सीएमवीआर, 1989 के नियम 31ई के उप-नियम (iii) के तहत पाठ्यक्रम (फॉर्म 5बी) के सफल समापन पर एडीटीसी द्वारा जारी प्रमाण पत्र (फॉर्म 5बी), ऐसे प्रमाण पत्र धारक को सीएमवीआर, 1989 के नियम 15 के उप-नियम (2) के प्रावधान के तहत ड्राइविंग टेस्ट की आवश्यकता से छूट देता है।"

इसके उलट, सीएमवीआर, 1989 के नियम 24 के तहत स्थापित अन्य ड्राइविंग स्कूल, जिनकी आवश्यकताएं एडीटीसी की तुलना में कम कठोर हैं, सीएमवीआर, 1989 के नियम 27 के उप-नियम (घ) के अनुसार पाठ्यक्रम पूरा होने पर एक अलग प्रमाणपत्र (फॉर्म 5) जारी करते हैं।

हालांकि, यह प्रमाणपत्र धारक को उसी नियम 15 के प्रावधान के तहत ड्राइविंग टेस्ट की आवश्यकता से छूट नहीं देता है। मंत्रालय ने दोहराया कि ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने का अंतिम अधिकार लाइसेंसिंग प्राधिकरण के पास है, भले ही छूटों का उल्लेख किया गया हो। ड्राइविंग लाइसेंस आवेदकों को अपने आवेदन के साथ फॉर्म 5 या फॉर्म 5बी में से कोई एक, जैसा लागू हो, साथ देना होगा।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

इस उम्र के बाद हर महिला जरूर कराएं ये टेस्ट, कैंसर से बचने की होगी गारंटी,अन्य बीमारियों का पता भी

पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है. पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है.

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2020 में एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर के कारण हुई है. हर 6 में से एक मौत कैंसर से होती है. इनमें से सबसे ज्यादा संख्या ब्रेस्ट कैंसर से होने वाली मौतों की है. इसके बाद महिलाओं में सबसे ज्यादा मौत सर्वाइकल कैंसर या गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से होती है.

डब्ल्यूएचओ के ही आंकड़ों के मुताबिक सर्विकल कैंसर से हर साल 5.30 लाख महिलाओं की मौत होती है. सर्वाइकल कैंसर की सबसे बड़ी वजह एचपीवी वायरस है. चिंता की बात यह है कि यह वायरस कई वर्षों तक महिलाओं के प्रजनन अंगों में निष्क्रिय रहकर फिर से सक्रिय हो सकता है. यही कारण है कि डॉक्टर 21 साल की उम्र से अधिक की सभी महिलाओं को नियमित रूप से पैप स्मीयर टेस्ट कराने की सलाह देते है.

पैप स्मीयर टेस्ट या पैट टेस्ट महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए किया जाता है. इस टेस्ट के लिए महिलाओं की सर्विक्स से कोशिकाओं से सैंपल निकाला जाता है और इसका विश्लेषण किया जाता है. इससे महिलाओं के प्रजनन अंगों में अन्य चीजों के बारे में पता लगाया जा सकता है.

क्यों करानी जरूरी है सर्वाइकल कैंसर की जांच

मायो क्लिनिक के मुताबिक महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर बहुत ही गंभीर बीमारी है जिसमें अधिकांश मरीजों की मौत हो जाती है. सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के प्रजनन अंगों यानी गर्भाशय के मुंह पर होता है. सर्वाइकल कैंसर की मुख्य वजह ह्यूमन पेपिलोमावायरस (human papillomavirus) है. यह वायरस फिजिकल रिलेशन बनाने वाली हर महिला में होता है. आमतौर पर इम्यून सिस्टम इस वायरस को खत्म कर देता है या रहता भी है तो कोई नुकसान नहीं पहुंचाता. लेकिन किसी-किसी महिलाओं में यह वायरस गर्भाशय ग्रीवा के पास लंबे समय तक निष्क्रिय हो जाता है और वर्षों बाद कभी भी सक्रिय हो जाता है. पैप स्मीयर टेस्ट से यह पता लगाया जाता है कि यह वायरस भविष्य में कैंसर तो नहीं दे सकता. अगर वायरस में कैंसर फैलाने की क्षमता होती है तो इसे हटाकर महिलाओं को मौत के मुंह से बचाया जा सकता है.

किसे कराना चाहिए यह टेस्ट

आमतौर पर डॉक्टर 21 से 65 साल के बीच हर महिलाओं को पैप स्मीयर टेस्ट कराने की सलाह देते हैं. हालांकि यह डॉक्टर बताते हैं कि पैप स्मीयर टेस्ट कराने का समय क्या है. आमतौर पर प्रति तीन साल में एक बार यह टेस्ट कराने के लिए कहा जाता है. 30 साल से उपर की महिलाओं को एचपीवी टेस्ट के साथ प्रति पांच साल में एक बार यह टेस्ट जरूर कराना चाहिए. लेकिन अगर महिलाओं में गर्भाशय से संबंधित जटिलताएं हैं तो डॉक्टर जल्दी-जल्दी भी यह टेस्ट कराने की सलाह देते हैं. अगर इम्यून सिस्टम कमजोर है, एचआईवी है, स्मोकिंग करती हैं, स्टेरॉयड का इस्तेमाल करती हैं तो ऐसी महिलाओं को जल्दी-जल्दी जांच की जरूरत पड़ती है.

जांच में क्या होता है

पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है. इस प्रक्रिया के दौरान डॉक्टर संभावित प्रीकैंसर कोशिकाओं को काटकर हटा भी देती हैं. इस टेस्ट से गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाओं में किसी असामान्य बदलावों का पता लगाना होता है ताकि यह पता लगाया जा सके भविष्य में सर्विक्स में कैंसर होने का खतरा तो नहीं है. चूंकि सर्वाइकल कैंसर के लक्षण सालों तक बाहर नहीं दिखते।

इसलिए इस टेस्ट को नियमित रूप से कराने की जरूरत पड़ती. इससे लाखों महिलाओं की जान बचाई जा सकती है. हालांकि सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन आ गई और सरकार टीनएज में ही इस वैक्सीन को देने की योजना बना रही है.

महिलाओं के लिए मिसाल हैं भारत की पहली महिला फायर फाइटर हर्षिनी कान्हेकर!

महिलाएं किसी से कम नहीं, ऐसा जब हम कहते हैं तो वे सभी रोल मॉडल्स हमारे सामने घूम जाती हैं जिन्होंने समाज की दिशा और दशा दोनों को बदला है। ऐसी बदलाव की दिशा तय करने वाली एक महिला हैं हर्षिनी कान्हेंकर। उनकी कहानी काफी दिलचस्प होने के साथ ही काफी प्रेरणादायी भी है। वे भारत की पहली पहली महिला फायर फाइटर हैं।

उनके बुलंद हौसले का परिचय आप उन्हें देखकर ही लगा सकते हैं, क्योंकि जिस तरह से वह अपनी इस जिम्मेदारी को संभालती हैं वो काबिले तारीफ है। फायर फाइटर के तौर पर हर्षिनी कान्हेकर की जिंदगी का ज्यादातर समय कड़ी मेहनत और ड्रिल एक्टिविटिज में बीतता है। बचाव कार्य के दौरान इस्तेमाल होने वाले भारी उपकरण को संभालने और उठाने में भी वो पूरी तरह से एक मंझी हुई कुशल योद्धा लगती हैं। यही नहीं हर्षिनी को भारी वाहनों, पैरामेडिक्स, नगर नियोजन और बचाव तकनीक की भी काफी जानकारी है। पानी की आपूर्ति और दूसरे लोगों के मनोविज्ञान को समझने की कला उनमें पूरी तरह से है।

हर्षिनी कान्हेकर के बारे में

हर्षिनी कान्हेकर बचपन से सशस्त्र बल में शामिल होना चाहती थीं और सेना की वर्दी पहनकर देश की सेवा करना उनका सपना था। 26 साल की उम्र में उन्होंने फायर और आपातकालीन सेवाओं के एक कोर्स में दाखिला लिया। इस कोर्स को पास करने के बाद हर्षिनी कान्हेकर ऑयल एंड नैचुरल गैस कमिशन (ओएनजीसी) में बतौर फायर इंजीनियर तैनात हुईं। उन्होंने फायर इंजीनियरिंग का कोर्स नागपुर स्थित नेशनल फायर सर्विस कॉलेज से पूरा किया। वह पहली भारतीय
महिला थीं जिन्होंने साल 2002 में इस कोर्स में प्रवेश लिया। इतना ही नहीं, वे पहली महिला भी बनीं जिन्होंने इस कोर्स में एडमिशन के बाद उसे पास कर आगे बढ़ीं।

मिसाल है हर्षिनी कान्हेकर

हर्षिनी कान्हेकर ने एक ऐसे फील्ड में अपनी कुशलता का परिचय करवाया जहां कभी सिर्फ पुरुषों का वर्चस्व था। हर्षिनी कान्हेकर ने नागपुर से अपनी पढ़ाई पूरी की है, वे एक एनसीसी कैडेट भी थीं। यहीं से उन्हें सेना में वर्दी पहनने की प्रेरणा मिली।

महिला होने की वजह से हर्षिनी का फार्म हुआ था रिजेक्ट

ऐसा नहीं है कि हर्षिनी को सबकुछ आसानी से मिल गया। एक बार वे अपने पिता के साथ संस्थान में फॉर्म भरने गईं, वहाँ मौजूद लोगों ने हर्षिनी का फॉर्म अलग रख दिया था। तब उन्होंने निश्चय किया कि नौकरी करनी है तो बस यहीं करनी है। उनका कहना है कि लोग असहज थे और सभी चाहते थे कि हर्षिनी कॉलेज छोड़कर चली जाएँ। परेशानियां कई आईं पर हर्षिनी ने हार नहीं मानी।

उन्होंने अपने एक साक्षात्कार में कहा "मुझे नहीं लगता कि कोई नौकरी केवल पुरुषों के लिए है या सिर्फ महिलाओं के लिए है। मैं खुद को काफी भाग्यशाली मानती हूं कि मैंने नंबर एक स्थान पाया है। पर सच कहूं कि तो मेरी जिसमें दिलचस्पी थी, जिसे मैं प्यार करती थी वास्तव में आज मैं वही काम कर पा रही हूं।" हर्षिनी कान्हेकर को बाइक चलाना पसंद है, साथ वे गिटार और ड्रम भी बजाती हैं। फोटोग्राफी में भी उनकी दिलचस्पी है।

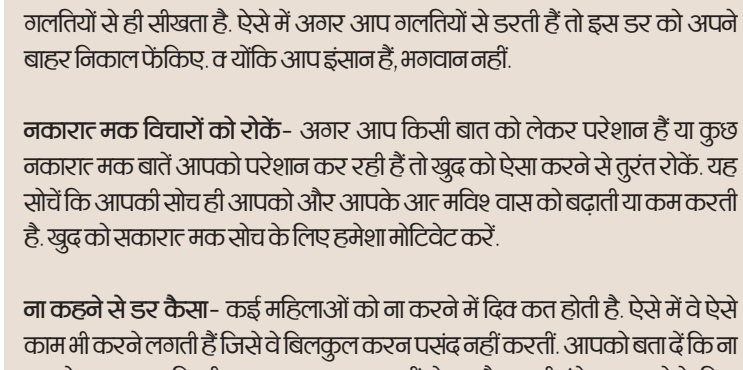

महिलाएं इन तरीकों से बढ़ाएं अपना सेल्फ कॉन्फिडेंस, नेगेटिविटी को ऐसे करें दूर

कहावत है कि अगर आपको खुद पर भरोसा है तो समझिए आपने आधा युद्ध पहले ही जीत लिया है. जी हां, इस बात में कोई शक नहीं है कि अगर आप अपने अंदर की ताकत को पहचानती हैं और हर हालात में खुद पर भरोसा रखती हैं तो आपकी ये ताकत हर काम को आसान बना देने का सबसे बड़ा हथियार साबित हो सकता है. ये आत मविश वास ही है कि आप हर वक्त सीखने के लिए तैयार रहती हैं और गलतियों से डरने की बजाय, सीख लेना पसंद करती हैं. ऐसे में अगर आप महसूस कर रही हैं कि आपके अंदर का आत मविश वास कहीं गायब हो गया है और आप खुद के प्रति सकारात मक महसूस नहीं कर पाती हैं तो हम आपकी मदद कर सकते हैं.

महिलाएं इस तरह बढ़ाएं अपना आत मविश वास

गलतियों से सीख लें- इंसान होने के नाते गलतियां करना आपका अधिकार है. हर इंसान गलतियों से ही सीखता है. ऐसे में अगर आप गलतियों से डरती हैं तो इस डर को अपने बाहर निकाल फेंकिए. व योंकि आप इंसान हैं, भगवान नहीं.

नकारात मक विचारों को रोकें- अगर आप किसी बात को लेकर परेशान हैं या कुछ नकारात मक बातें आपको परेशान कर रही हैं तो खुद को ऐसा करने से तुरंत रोकें. यह सोचें कि आपकी सोच ही आपको और आपके आत मविश वास को बढ़ाती या कम करती है. खुद को सकारात मक सोच के लिए हमेशा मोटिवेट करें.

ना कहने से डर कैसा- कई महिलाओं को ना करने में दिव कत होती है. ऐसे में वे ऐसे काम भी करने लगती हैं जिसे वे बिलकुल करन पसंद नहीं करतीं. आपको बता दें कि ना कहने का मतलब किसी का अपमान करना नहीं होता, और ना ही इंप्रेशन बनाने के लिए ना कहना जरूरी होता है.

कभी कभी 'स टॉप' कहना जरूरी- अगर कोई आपके सामने लगातार आपको यह बोल रहा है कि आप कितनी बुरी दिखती हैं, या आपको परफॉर्मेंस बहुत ही खराब है या तुम कुछ नहीं कर सकती आदि, तो उन हें स टॉप करना सीखें. अगर बोलने में असुविधा है तो आप ऐसी बातों पर हंस दें और ऐसी बातों को सकारात मक रूप में लेते हुए खुद को बेहतर बनाने का बहाना बनाएं.

खुद को स वीकारें- आप जैसी हैं अच छी हैं. इस बात को खुद से बोलें. आप मोटी हैं, पतली हैं या दिखने में बेहद खूबसूरत नहीं हैं. ये बातें आपकी पूर्णता को नहीं बताते. आप जो हैं वो अपने काम से हैं, अपने बातचीत के तरीके से हैं, अपने व यवहार और अपने आत मविश वास से हैं. खुद को खुद की तरह स वीकारें और सकारात मक रहें.

इन 5 बातों से अपराधबोध महसूस करती हैं महिलाएं, खुद को इस तरह रखें पॉजिटिव

कई बार ऐसा होता है कि हम किसी का नुकसान कर बैठते हैं या कुछ ऐसा करते हैं जिससे परिवार, दोस्त या समाज आपके इस काम से आहत हो सकता है, तो अपराधबोध का होना सामान्य बात है. लेकिन अगर आप एक महिला हैं और अपने बेहतर भविष्य के लिए कुछ अच्छा करने के लिए सोच रही हैं तो लेकिन इसकी वजह से आपको अपराधबोध महसूस हो रहा है तो यह आपके लिए परेशानी की वजह हो सकता है.

समाज ने महिलाओं की सोच को इस तरह बना दिया है कि एक महिला अगर खुद के लिए कुछ करती है तो उसे सेल्फिश होने की कैटेगरी में रख दिया जाता है. इस वजह से वे जो भी कुछ करना चाहती है, उस विषय पर इतना अधिक सोचने लगती हैं कि वे अंत में जो आगे चलकर उनके खुद के लिए खतरनाक साबित हो सकता है.

अपराधबोध महसूस करने लगती हैं. समाज में महिलाओं के अच्छे होने और बुरे होने की कैटेगरी को इस तरह बना दिया गया है कि जिसमें महिलाएं आसानी से ट्रैप हो जाती हैं और खुद को समाज के मापदंड के हिसाब से आंकने लगती हैं.

सबसे पहले बात आती है सेल्फकेयर की. जी हां, यह देखा जाता है कि अगर कोई महिला अपने लिए समय निकालती है और खुद को बेहतर बनाने के लिए कुछ करती है तो उसे सेल्फिश की कैटेगरी में डाल दिया जाता है. जबकि महिलाओं को यह जानना जरूरी है कि महिलाएं अगर खुद का ख्याल नहीं रखेंगी तो भला औरों का केयर कैसे कर पाएंगी.

महिलाएं अपने करियर ऑप्शन चुनने को लेकर भी कई बार गिल्ट महसूस करने लगती हैं. मसलन, अगर महिला फोर्स में किसी पोस्ट पर है या उसे रात में ड्यूटी पर दफ्तर जाना पड़ता है, तो मन ही मन वह अपराधबोध महसूस करती है और हर तरह की गलती की वजह खुद को मानने लगती है. लेकिन आपको यह समझना होगा कि हर करियर में ऐसी चुनौतियां होती हैं, जब आप अपने पैरों पर बेहतर तरीके से खड़ी होंगी और ऐसी चुनौतियों का सामना करेंगी तब ही अन्य लोगों के लिए भी सहारा बनेंगी.

अपने मेंटल हेल्थ का ख्याल रखना या थेरेपिस्ट की मदद लेना स्टिगमा बन गया है. लेकिन अगर आप मेंटली थकान महसूस कर रही हैं और परेशान हैं तो आपको जरूर अपने मेंटल हेल्थ के लिए मदद लेनी चाहिए. कई महिलाएं इस बात को लेकर भी अपराधबोध में दबने लगती हैं कि यह सब फिजूल बातें हैं.

किसी को 'ना' कहना भी कई बार महिला के लिए मुश्किल हो जाता है और ऐसा करने पर वह अपराधबोध महसूस करने लगती है. लेकिन आपको बता दें कि अगर कोई आपसे वह काम कराना चाह रहा है जो गलत है या जो आपको या किसी को नुकसान पहुंचा सकता है तो आप बिल्कुल 'ना' कहें. याद रखिए कि 'ना' कहना स्वार्थी होना नहीं है.

दिल्ली में चौंका रहे एग्जिट पोल के आंकड़े, सातों लोकसभा सीटों पर किसको मिल रहीं कितनी सीटें

दिल्ली में इस बार पिछले बार लोकसभा चुनावों के मुताबिक इस बार कम मतदान पड़ा था। दिल्ली में इस बाद आम आदमी पार्टी (AAP) और कांग्रेस ने मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा है। वहीं, भाजपा ने सभी सातों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे।

BDelhi देश में सात चरणों में हो रहा लोकतंत्र का महापर्व यानी Lok Sabha Chunav 2024 आज शाम समाप्त हो गया। इसके साथ ही न सिर्फ राजनीतिक पार्टियों बल्कि जनता की भी धड़कनें बढ़ी हुई हैं और सभी को 4 जून के साथ ही Exit Poll 2024 का भी इंतजार है। अलग-अलग समाचार चैनल कुछ निजी एजेंसियों के साथ मिलकर एक्जिट पोल का सर्वे करती हैं, जिसके बाद वह अपने नतीजे देते हैं।

आज तक के एग्जिट पोल के नतीजे

आज तक एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल के अनुसार, दिल्ली में भाजपा को छह से सात सीटें मिल सकती हैं। वहीं, गठबंधन को एक सीट मिल सकती है। एग्जिट पोल के मुताबिक तीसरी बार भी भाजपा सातों सीटों पर क्लीन स्वीप कर सकती है।

2019 में कांग्रेस पांच सीटों पर रही थी नंबर दो

आप ने दिल्ली में जिस गणित के आधार पर कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है, उसके अनुसार, दिल्ली में दोनों को मिलाकर कुल मत प्रतिशत 40 के करीब बैठता है। 2019 में आप को जहां 18 प्रतिशत वहीं कांग्रेस को कुल 22 प्रतिशत वोट मिले थे, कांग्रेस पांच सीटों पर नंबर दो पर रही थी। आप का गणित यह है कि आप और कांग्रेस दिल्ली में गठबंधन में चुनाव लड़ रही हैं। आप इसी गणित के आधार पर दिल्ली में चुनाव जीत लेने का दावा कर रही है।

News 24-टुडेज चाणकया Exit Poll

News 24 Exit Poll के नतीजों में दिल्ली की सात लोकसभा सीटों में से भाजपा को छह सीटें मिल सकती हैं। वहीं, एक सीट गठबंधन को मिलती दिख रही है।

रिपब्लिक भारत के एग्जिट पोल में एनडीए को मिली इतनी सीटें

एग्जिट पोल 2024 में रिपब्लिक भारत दिल्ली में एनडीए की 5-7 सात सीटों पर जीत बता रहा है। वहीं, गठबंधन को दो सीटें मिल सकती हैं।

2019 में दो सीटों पर आप रही नंबर दो

इस बार आप ने गठबंधन में नई दिल्ली दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली सीट पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। दिल्ली की सातों सीटों की बात करें तो पिछली बार यानी 2019 में आप दो सीटों पर दूसरे नंबर पर रही थी। उसे दक्षिणी दिल्ली सीट पर 26.34 प्रतिशत वोट मिले थे, यहां से राघव चड्ढा चुनाव मैदान में उतरे थे, वहीं उत्तरी पश्चिमी दिल्ली सीट पर भी आप दूसरे नंबर पर रही थी। इस सीट पर आप को 21.01 प्रतिशत वोट मिले थे।

पिछले दो लोकसभा चुनावों में आप को कितने वोट मिले?

पिछले दो लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी बहुत मजबूती के साथ चुनाव लड़ी है। हालांकि 2014 की अपेक्षा 2019 के चुनाव में आप का मत प्रतिशत कम हुआ है। 2014 में आप ने पहला लोकसभा चुनाव लड़ा था, उसे दिल्ली में 32 प्रतिशत मत मिले थे। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में आप को 18.1 प्रतिशत मत मिले थे।

एग्जिट पोल से पहले संजय सिंह ने किया पोस्ट

एग्जिट पोल के नतीजे आने से पहले आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सांसद संजय ने एक्स पर ट्वीट कर I.N.D.I.A गठबंधन के जीतने का दावा किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पीएम मोदी के EXIT POLL पर ध्यान मत दीजिए। INDI गठबंधन की बैठक में सामने आया "जनता का Exit Poll"

उन्होंने लिखा कि गठबंधन को 295, भाजपा, 220 और NDA को 235 सीटें मिल रही हैं।

लोकसभा चुनाव / एग्जिट पोल-2024/ दिल्ली सीटें: 07

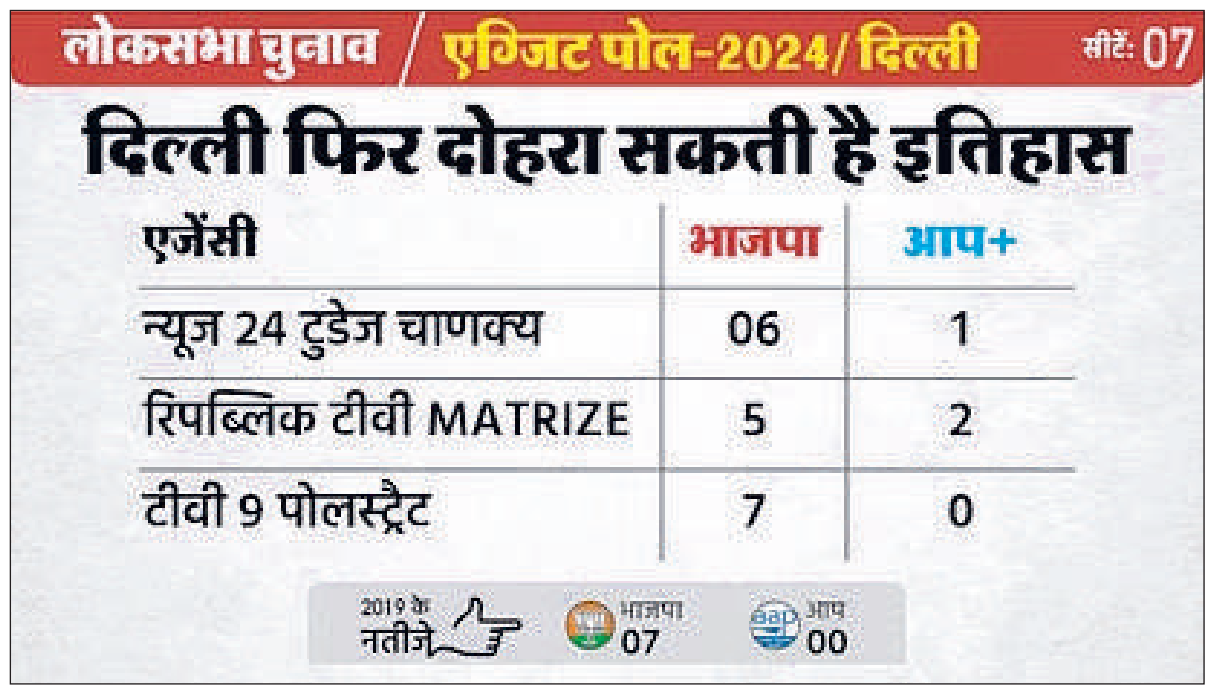

दिल्ली फिर दोहरा सकती है इतिहास

एजेंसी	भाजपा	आप+
न्यूज 24 टुडेज चाणक्य	06	1
रिपब्लिक टीवी MATRIZE	5	2
टीवी 9 पोलस्ट्रैट	7	0

2019 के नतीजे: भाजपा 07, आप 00

दिल्ली: क्या पुराना प्रदर्शन दोहरा पाएगी भाजपा?

चांदनी चौक से भाजपा के हर्ष वर्धन ने 228145 मतों से चुनाव जीता था।

उत्तर पूर्व दिल्ली से मनोज तिवारी ने 366102 वोटों से चुनाव जीता था।

पूर्वी दिल्ली से क्रिकेटर गौतम गंभीर ने भाजपा की टिकट पर 391222 वोटों से जीत हासिल की थी।

भाजपा नेता मीनाक्षी लेखी ने 256504 मतों से नई दिल्ली सीट अपने कब्जे में की थी।

उत्तर पश्चिम दिल्ली से हंस राज हंस ने भाजपा की टिकट पर 553897 मतों से चुनाव जीता था। अब पंजाब के फरीदकोट से चुनाव मैदान में हैं।

पश्चिमी दिल्ली से प्रवेश वर्मा ने 578486 मतों से मैदान फतेह किया था।

दक्षिण दिल्ली में रमेश बिधूड़ी ने 367043 मतों के अंतर से कमल खिलाया था।

पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा ने किया था सभी सीटों पर क्लीन स्वीप

दिल्ली में लोकसभा चुनाव 2014 और 2019 में दोनों बार भाजपा ने सातों सीटों पर क्लीन स्वीप किया था। इस बार गठबंधन (कांग्रेस-आप) ने दिल्ली में चुनाव लड़ा है। आप ने चार तो कांग्रेस तीन सीटों पर अपने प्रत्याशी मैदान में उतारे। गठबंधन इस बार सभी सीटों पर जीतने का दावा कर रहा है। वहीं, भाजपा इस बार भी क्लीन स्वीप करने का दावा कर रही है।

दिल्ली के सातों लोकसभा क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत

लोकसभा क्षेत्र	2024	2019
चांदनी चौक	58.63	62.78
उत्तरी पूर्वी दिल्ली	62.94	63.86
पूर्वी दिल्ली	59.52	61.70
नई दिल्ली	55.47	56.91
उत्तरी पश्चिमी दिल्ली	57.86	58.97
पश्चिमी दिल्ली	58.68	60.82
दक्षिणी दिल्ली	56.45	58.75

दिल्ली में कब कितना हुआ मतदान

दिल्ली में सबसे अधिक मतदान वर्ष 1977 में 71.31 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसके बाद दिल्ली में कभी इतना मतदान नहीं हो पाया और हमेशा राष्ट्रीय औसत से कम मतदान होता रहा है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में 65.10 प्रतिशत मतदान हुआ था। तब 10 अप्रैल को मतदान हुआ था और तापमान 33 डिग्री सेल्सियस था।

पिछले लोकसभा चुनावों में मतदान की स्थिति

वर्ष- दिल्ली में मतदान

2024- 58.63
2019- 60.6
2014- 65.10
2009- 51.85
2004- 47.09
1999- 43.54
1998- 51.29
1996- 50.62
1991- 48.52
1989- 54.30
1984- 64.48
1980- 64.89
1977- 71.31

Delhi Exit Poll 2024 Live news: दिल्ली में इस बार कम हुआ था मतदान

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली (Lok Sabha Election 2024 in Delhi) में पिछले दो लोकसभा चुनावों के मुकाबले भी कम मतदान हुआ था। पिछले चुनाव के मुकाबले करीब दो प्रतिशत और वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले इस बार 6.41 प्रतिशत कम मतदान हुआ है। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय इसका कारण गर्मी व छुट्टियों को माना। दिल्ली में इस बार 58.63 प्रतिशत मतदान हुआ था।

दिल्ली में किस सीट से कौन मैदान में

नई दिल्ली सीट- बांसुरी स्वराज (भाजपा) के खिलाफ सोमनाथ भारती (आप)

पूर्वी दिल्ली- हर्ष मल्होत्रा (भाजपा) के खिलाफ कुलदीप कुमार (आप)

दक्षिणी दिल्ली- रामवीर सिंह बिधूड़ी (भाजपा) के खिलाफ सहीराम पहलवान (आप)

पश्चिमी दिल्ली- कमलजीत सहरावत (भाजपा) के खिलाफ महाबल मिश्रा (आप)

चांदनी चौक- प्रवीण खंडेलवाल (भाजपा) के खिलाफ कांग्रेस के जयप्रकाश अग्रवाल

उत्तर पूर्वी दिल्ली- मनोज तिवारी (भाजपा) के खिलाफ कांग्रेस के कन्हैया कुमार

उत्तर पश्चिमी दिल्ली- योगेंद्र चंदोलिया (भाजपा) के खिलाफ कांग्रेस के उदित राज

'5 फीट 5 इंच लंबाई वाले शख्स के लिए 64 किलो वजन ठीक है', केजरीवाल की हेल्थ पर ED ने कोर्ट को बताया

ईडी ने कहा कि जब केजरीवाल तिहाड़ में आए थे तब उनका वजन 64 किलोग्राम था। आज वह कहते हैं कि उनका वजन 65 किलो है। उनका वजन एक किलो बढ़ गया है। ये सभी बयान सिर्फ सहानुभूति के लिए हैं। इस पर केजरीवाल के वकील ने कहा कि जिस वक्त उन्हें ईडी की हिरासत में लिया गया उस समय उनका वजन 69 किलो था।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को अंतरिम राहत नहीं मिलने के बाद उन्होंने राऊज एवेन्यू कोर्ट का रुख किया। हालांकि यहां से भी उन्हें तत्काल राहत नहीं मिली और कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला 5 जून तक सुरक्षित रख लिया। इस बीच केजरीवाल के वकील ने उनके कम वजन की बात लगातार कहती रही।

ईडी ने कहा कि जब केजरीवाल तिहाड़ में आए थे, तब उनका वजन 64 किलोग्राम था। आज वह कहते हैं कि उनका वजन 65 किलो है। उनका वजन एक किलो बढ़ गया है। ये सभी बयान सिर्फ सहानुभूति के लिए हैं। इस पर केजरीवाल के वकील ने कहा कि जिस वक्त उन्हें ईडी की हिरासत में लिया गया, उस समय उनका वजन 69 किलो था। इस पर ईडी ने कहा कि यह एक गलत धारणा है कि उनका वजन अचानक कम हो गया है। वैसे भी 5 फीट 5 इंच लंबाई वाले व्यक्ति के लिए 64 किलोग्राम वजन सामान्य है।

किडनी ही कीटोन लेवल बढ़ने का एक कारण नहीं: ED

ईडी ने कहा कि केजरीवाल का कहना है कि उनका कीटोन लेवल बढ़ गया है। केवल किडनी ही कीटोन लेवल का एकमात्र कारण नहीं है। यदि आपके यूरीन में संक्रमण है तो यह बढ़ सकता है। उन्हें किडनी की कोई बीमारी नहीं है। इसके लिए डायलिसिस की आवश्यकता होती। ये सब उनकी कल्पना का नतीजा है। सब फर्जी है।

जरूरत पड़ी तो उन्हें एम्स ले जाएंगे: ED

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि वो जांच में देरी करके अदालत को धोखा देना चाहते हैं। उन्होंने आवेदन दाखिल करने में देरी की। अगर किसी परीक्षण की आवश्यकता होगी तो हम जेल में सभी सुविधाएं देंगे। जरूरत पड़ने पर हम उन्हें एम्स ले जाएंगे। उनका कहना है कि होल्टर परीक्षण के लिए सात दिनों की आवश्यकता होती है। यह बिल्कुल चौंकाने वाली बात है। किसी भी स्थिति में, उन्हें होल्टर परीक्षण कराना होगा तो हम कराएंगे। होल्टर परीक्षण में आप अपने गले में कॉलर की तरह एक उपकरण डालते हैं।

उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में विशेष लोक अदालत का होगा आयोजन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार 29 जुलाई से 03 अगस्त 2024 तक विशेष लोक अदालत'' का आयोजन उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में किया जाना है। विशेष लोक अदालत हेतु उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में लंबित राजीनामा योग्य चिन्हांकित कुल 9 प्रकरणों की सूची प्राप्त हुई है। चिन्हांकित प्रकरणों को राजीनामा के माध्यम से निराकृत कराये जाने की संभावना तलाशने तथा उन्हें लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों को निराकृत कराया जाने का प्रयास करते हुये विशेष लोक अदालत की प्रीसिंटिंग की कार्यवाही किये जाने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देशित किया गया है। इस संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत हेतु चिन्हांकित प्रकरणों में संबंधित पक्षकारों को नोटिस/समंस जारी किया गया है। जो भी पक्षकार उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में आयोजित होने वाले विशेष लोक अदालत में अपना प्रकरण सुलह, समझौते के माध्यम से निराकरण कराना चाहते हैं वे संबंधित न्यायालय में संपर्क कर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

लोक अदालते क्या हैं? लोक अदालत विवादों को समझौते के माध्यम से सुलझाने के लिए एक वैकल्पिक मंच है। सभी प्रकार के सिविल वाद तथा ऐसे अपराधों को छोड़कर जिनमें समझौता वर्जित है, सभी आपराधिक मामले भी लोक अदालतों द्वारा निपटाये जा सकते हैं। लोक अदालत के फैसलों के विरूद्ध किसी भी न्यायालय में अपील नहीं की जा सकती है।

DELHI STATE LEGAL SERVICES AUTHORITY
(constituted under the 'Legal Services Authorities Act,1987', an Act of Parliament)
Under the Administrative Control of High Court of Delhi
Central Office, 3rd Floor, Rouse Avenue District Court Complex,
Pt. Deen Dayal Upadhyaya Marg, New Delhi-110002
Email : lokadalatwing-dslsa@nic.in, website : www.dslsa.org, Helpline no. 1516 (24x7)

ACCESS TO JUSTICE FOR ALL
SEWA SAMADHAN SAMARPAN

Ref. No.: /DSLSA/ADRW/1st SLA/2024/ 6072 Dated: 29.05.2024

NOTICE

It has been noticed that there is immense increase in pendency of traffic challans in Delhi which are clogging the Judicial System. The next National Lok Adalat will be held on 14th September, 2024 and there will be a four-month gap between the last National Lok Adalat organized on 11th May, 2024 and the upcoming one. In this regard, this Authority is also receiving several requests from various quarters to organize frequent/more traffic Lok Adalats.

Considering the aforesaid, the Hon'ble Acting Chief Justice, High Court of Delhi & Executive Chairman, DSLSA has been pleased to approve the proposal of organizing Special Lok Adalat on **13.07.2024 (Second Saturday)**, exclusively for disposal of **compoundable traffic challans** pending before Virtual Courts, in all Delhi District Courts Complexes. *i.e. Tis Hazari, Karkardooma, Patiala House, Rohini, Saket, Dwarka and Rouse Avenue Courts Complexes.*

Litigants/violators can download the challan slips directly through the link https://traffic.delhipolice.gov.in/notice/lokadalat which will be provided on the website of this Authority as well as Delhi Traffic Police. **The Link will be activated on 10.07.2024 at 10 a.m.** In this Special Lok Adalat 1.80 Lakh challans will be taken up.

29/05/24

(NAVEEN GUPTA)
SPECIAL SECRETARY
(Looking after the work of the Member Secretary)

Ref. No.: /DSLSA/ADRW/1st SLA/2024/ 6073 - 6080 Dated 29.05.2024

Copy to:-

1. *Ld. Member Secretary, National Legal Services Authority, New Delhi*
2. *Ld. Registrar General, Delhi High Court, New Delhi*
3. *Ld. Principal District & Sessions Judges/Chairpersons, New Delhi/Delhi.*
4. *Ld. Principal District & Sessions Judge cum Special Judge (PC Act/CBI), RADC, New Delhi*
5. *Ld. Secretaries, District Legal Services Authorities (DLSAs), Delhi/New Delhi*
6. *All Delhi Bar Associations, Delhi/New Delhi*
7. *IT Cell, DSLSA for uploading it on Website/Facebook/other social media of DSLSA*
8. *All other concerned stakeholders*
9. *Office file*

(NAVEEN GUPTA)
SPECIAL SECRETARY
(Looking after the work of the Member Secretary)

विश्व तंबाकू निषेध दिवस विशेष - तंबाकू त्याग कर अपने परिवार के लिए स्वास्थ जीवन जीये : डॉ उमेश शर्मा

जिन्दगी चुनें तम्बाकू नहीं, इसका सेवन जानलेवा है, आज ही छोड़ें : डॉ उमेश शर्मा

परिवहन विशेष न्यूज

आगरा। विश्व तंबाकू निषेध दिवस, एक ऐसा दिन है जो समाज को तंबाकू के विरुद्ध लाने का अथवा समाज को तंबाकू का त्याग करने के लिए प्रेरित करने का काम करता है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस को मनाए जाने का उद्देश्य दुनिया भर में तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसानों के प्रति जागरूकता फैलाना और तंबाकू से होने वाली मौतों को रोकना है।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी डॉ उमेश शर्मा साहब ने अपने सुविचार व्यक्त करते हुये बताया कि तंबाकू त्याग कर अपने परिवार के लिए स्वास्थ जीवन जीये। जिन्दगी चुनें तम्बाकू नहीं, इसका सेवन जानलेवा है, आज ही छोड़ें। आइए हम संकल्प लें कि ख़ुद भी नशा नहीं करेंगे और अन्य लोगों को भी नशा ना करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। भारत में तंबाकू का सेवन करने वालों की संख्या बहुत ज्यादा है। एक रिसर्च के मुताबिक भारत में हर 10वां व्यक्ति किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करता है। तंबाकू के ज्यादा सेवन करने से फेफड़ों के कैंसर होने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। इसलिए धूम्रपान का उपयोग न करें। अनेकों धूम्रपान से पनपते हैं। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू मुक्त समाज का संकल्प ही हमारे समाज को नई दिशा देने का काम करेगा। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर समाज को संगठित होना चाहिए क्योंकि तंबाकू एक ऐसी समस्या है, जो किसी भी राष्ट्र को भीतर से खोखला कर सकती है। तंबाकू आपके स्वास्थ्य और आपके जीवन के लिए धीमा ज़हर है। इसे छोड़कर आप अपने और अपने परिवार को बचा सकते हैं। तंबाकू न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि यह खेल भावना के खिलाफ भी है। एक स्वस्थ और सफल जीवन के लिए इसे छोड़ें। तंबाकू छोड़ना आसान नहीं है, लेकिन यह असंभव भी नहीं है। दृढ़ संकल्प और समर्थन से आप इस लड़ाई को जीत सकते हैं। युवाओं देश का भविष्य हैं। तंबाकू का सेवन करके अपने भविष्य को खराब ना करें। एक स्वस्थ और मजबूत भारत बनाने के लिए इसे छोड़ें। तंबाकू आपके शरीर को नुकसान पहुंचाता है, आपके परिवार को दुखी करता है, और आपके पैसे बर्बाद करता है। इसे छोड़कर आप एक बेहतर इंसान बन सकते हैं। तंबाकू मुक्त जीवन अपनाएं, निज जीवन को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाएं। हर व्यक्ति का एक जैसा संकल्प होना चाहिए, वो है समाज को तंबाकू मुक्त बनाना। तंबाकू से दूर रहकर युवा शक्ति को उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में सफल सहायता मिलती है। तंबाकू के विरोध में प्रखर पक्ष रखने वाले नागरिक ही समाज को एक स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। कलम की शक्ति ही तंबाकू निषेध के लिए समाज में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

श्री डॉ उमेश शर्मा साहब ने आगे बताया कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के साथ, तंबाकू के विरूद्ध एक युद्ध को आरंभ किया जा सकता है। तंबाकू न केवल मानव को रोगी बनाता है बल्कि युवाओं के सपनों को भी खत्म करने का काम करता है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू निषेध का संकल्प लेना, जीत की ओर बढ़ाया गया पहला कदम होगा। तंबाकू निषेध ही बेहतर समाज की कल्पना को वास्तविक स्वरुप दे सकता है। समाज को स्वस्थ बनाने के लिए आवश्यक है कि समाज को तंबाकू निषेध के लिए संगठित किया जाए। तंबाकू निषेध के माध्यम से युवाओं में नवीन ऊर्जा का संचार किया जा सकता है, यही नवीन ऊर्जा समाज से तंबाकू के वजूद को मिटाता है। तंबाकू निषेध पर समाज की चेतना को जागृत किया जाना जरुरी है, क्योंकि तंबाकू निषेध से ही सही मायनों में सभ्यताओं का संरक्षण सुनिश्चित होता है। तंबाकू हँसती खिलती जवानी पर लगा वो ग्रहण है जो जीवन को बर्बादी के रास्ते पर ले जाता है। तंबाकू निषेध पर बेबाकी से अपनी राय रखना ही समाजहित में नए सपने देखने के लिए प्रेरित करता हैं। नशा करना सेहत के लिए हानिकारक हैं। नशे के कारण युवावस्था में ही लोग कैंसर लीवर फेफड़े की गंभीर बीमारी से ग्रसित होते जा रहे है, जिससे उनको शारीरिक और मानसिक नुकसान हो रहा है। हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु तंबाकू और नशीले पदार्थों के सेवन के कारण हो रही है जो चिंताजनक है। स्वस्थ समाज के निर्माण में हम सभी को मिलकर तंबाकू सेवन को रोकने को लिए सचेत प्रयास करना होगा। तम्बाकू दुनिया भर में होने वाले कैंसर का प्रमुख कारण है। यह हर साल लाखों लोगों की जान ले लेता है। घर गली, मोहल्ला, बस्ती तथा कॉलोनी में तंबाकू के उपयोग के संपर्क में आने वाले बच्चों में खुद धूम्रपान तथा तंबाकू के प्रयोग करने वाले बनने की संभावना अधिक रहती है। बच्चों को तंबाकू के उद्योग से बचाकर हम बहुत सारी जान बचा सकते हैं। उनके स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं और उनके लिए स्वस्थ भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

गाजियाबाद में पूड़ी-सब्जी बेचनेवाले के घर से रेड में निकला खजाना, पूरी रात जीएसटी टीम ने की छापेमारी

गाजियाबाद स्थित सैंया जी पूड़ी वाले के नाम से फेमस दुकान वाले के यहां पर जीएसटी की टीम ने छापा मारा है। यह छापेमारी करीब 10 घंटों तक चली। इस रेड में जीएसटी अधिकारियों ने 17.85 लाख रुपये की चोरी पकड़ी है। रेड मारने से पहले रेकी गई थी। आठ अधिकारियों की टीम ने कई घंटों तक जांच की। दुकान वाले पर टैक्स टोरी करने का आरोप है।

गाजियाबाद। राज्य कर विभाग की टीम ने गुरुवार को मालीवाड़ा चौक के पास 'सैंया जी पूड़ी वाले' की दुकान पर छापा मारा। 10 घंटे तक चली छापामारी के बाद टीम ने यहां पर 17.85 लाख रुपये की कर चोरी पकड़ी है। जिसे दुकानदार ने जमा कराया है।

निर्धारित मानकों का उल्लंघन कर हो रहा था व्यापार

राज्य कर विभाग गाजियाबाद (Ghaziabad News) जोन दो के अपर आयुक्त ग्रेड-एक दिनेश कुमार मिश्रा ने बताया कि फर्म सैंया जी पूरी वाले द्वारा कंपाउड स्कीम में निर्धारित मानकों का उल्लंघन करते हुए व्यापार किया जा रहा था। जीएसटी पोर्टल पर डाटा एनालिसिस करने के बाद विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा द्वारा फर्म की रेकी की गई।

आठ अधिकारियों की टीम ने 10 घंटे तक की जांच

रेकी में प्राप्त जानकारी तथा डाटा एनालिसिस में पाई गई कमियों के आधार पर फर्म पर छापामारी की गई। आठ अधिकारियों की टीम ने व्यापारी के प्रतिष्ठान पर 10 घंटे तक जांच की। जांच में कच्चा एवं निर्मित माल पाया गया। फर्म पर कई टेबल एवं कुर्सी रखे पाए गए, जिन पर कई लोग भोजन करते हुए मिले।

17.85 लाख रुपये की पकड़ी कर चोरी

फर्म द्वारा मूलतः रेस्तरां के रूप में कार्य किया जा रहा था, जबकि फर्म द्वारा फूड प्रिपरेशन के तहत जीएसटी में रजिस्ट्रेशन लेते हुए कंपाउंड स्कीम की आड़ में सरकार को कम टैक्स दिया जा रहा था। टीम द्वारा की गई छापामारी में प्रथम दृष्टया 17.85 लाख रुपये की कर चोरी संज्ञान में आई, जिसे व्यापारी ने स्वीकार करते हुए जमा किया है।

खरीद-बिक्री एवं सीज किए गए दस्तावेजों की जांच करते हुए कर चोरी की वास्तविक राशि का पता लगाया जा रहा है। राज्य कर विभाग के गाजियाबाद जोन में जनपद गाजियाबाद, हापुड़ एवं बुलंदशहर में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस टूल्स और विभागीय सूचनाओं के आधार पर ऐसे व्यापारियों को चिह्नित किया जा रहा है।

जो कंपाउंड स्कीम की आड़ में अपना टर्नओवर छिपा कर कम टैक्स देकर टैक्स की चोरी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सालाना 1.50 करोड़ रुपये तक का टर्नओवर करने वाले व्यापारी समाधान योजना का लाभ ले सकते हैं। जिसमें सर्विस मुहैया कराने वालों के लिए पांच प्रतिशत, निर्माता इकाइयों के लिए दो प्रतिशत और ट्रेडर्स के लिए एक प्रतिशत की करदेयता निश्चित है।

यूट्यूबर बॉबी कटारिया की बढ़ी मुश्किलें, अदालत ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा

मानव तस्करी के आरोपित यूट्यूबर बॉबी कटारिया की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्हें अदालत ने 14 दिनों की 14 न्यायिक हिरासत में भेजा है। बता दें गुरुग्राम क्राइम ब्रांच सेक्टर 10 की टीम ने कटारिया को गिरफ्तार किया था। बॉबी केस की सुनवाई अब 14 जून को होगी। हालांकि पुलिस की तरफ से रिमांड नहीं मांगा गया था।

गुरुग्राम। देश के युवाओं को नौकरी के नाम पर दूसरे देश भेजकर उनसे धोखाधड़ी करने और मानव तस्करी के आरोपित बाबी कटारिया को जिला अदालत ने 14 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस की तरफ से रिमांड नहीं मांगा गया था।

अब इस मामले में 14 जून को सुनवाई होगी। मामले की सुनवाई ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास मंदीप सिंह की अदालत में हुई। दोपहर करीब दो बजे अपराध शाखा सेक्टर-10 टीम ने आरोपित को अदालत में पेश किया था।

फतेहपुर निवासी अरुण कुमार की शिकायत पर बजघेड़ा थाने पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया था। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उनसे करीब ढाई लाख रुपये लेकर लाहोस भेज दिया था। वहां से उन्हें नावतुई ले जाया गया।

वहां पर उनसे मारपीट कर उनका पासपोर्ट छीन लिए गए और जबरन अमेरिकियों के साथ साइबर फ्राड करने के लिए मजबूर किया जा गया था। वहां से भागकर उन्होंने भारतीय दूतावास से संपर्क किया और भारत आए।

सावधान! शेयर बाजार में निवेश के नाम पर करीब 10 करोड़ रुपये ऐंठे, ठगों ने ऐसे बुना जाल

नोएडा से साइबर ठगी का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पर साइबर अपराधियों ने ऐप डाउनलोड कराकर फर्जी मुनाफा दिखाया। शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 9 .9 करोड़ रुपये की ठगी हुई। झांसे में आकर आईडीएफसी बैंक से 13 बार में धनराशि निकाल कर निवेश की। पीड़ित ने साइबर अपराध थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

नोएडा। शेयर बाजार में निवेश कराने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने सेक्टर-40 के एक व्यक्ति से 9.9 करोड़ रुपये ठग लिए। पहले वाट्सएप ग्रुप पर जोड़ा और फिर एप डाउनलोड कराकर शेयर ट्रेडिंग में फर्जी मुनाफा दिखाकर ठगी की। पीड़ित ने साइबर अपराध थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-40 बी ब्लाक के रजत बोथरा ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि 28 अप्रैल को उन्हें वाट्सएप ग्रुप पर जोड़ लिया। ग्रुप में शेयर ट्रेडिंग के मुनाफे के बारे में बताया जाता था। ग्रुप के एक सदस्य ने शेयर ट्रेडिंग से उसे हुए लाभ के बारे में जानकारी दी और एक लिंक भेजा। जिस पर क्लिक किया तो निर्देशों का पालन करने पर एक ऐप डाउनलोड हो गया।

उस ऐप में बैंक खातों की जानकारी भी साझा की गई। आरोपितों ने झांसे में ले लिया। पीड़ित ने अपने आईडीएफसी बैंक के खाते से 9.9 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। यह धनराशि कुल 13 बार में ट्रांसफर की। पीड़ित ने जब रुपये निकालने की कोशिश की तो वह निकाल नहीं पाए। एप्लीकेशन ने रुपये निकालने की अनुमति नहीं दी। तभी उन्हें संदेह हुआ कि ये लोग साइबर अपराधी हैं। फर्जी वेबसाइट लिंक और एप्लीकेशन तैयार कराकर शेयर ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी कर ली है।

पीड़ित ने 29 मई को एनसीआरपी पोर्टल पर घटना की शिकायत दर्ज कराई। साइबर अपराध थाना प्रभारी उमेश कुमार नैथानी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

'आपके बिरयानी में ज्यादा नमक है', कहना पड़ा भारी, दुकानदार ने युवकों पर लाठी-डंडे; चाकू और प्लेट से किया हमला

मोदीनगर के किदवईनगर स्थित अलकरीम होटल पर बिरयानी में अधिक नमक होने की शिकायत करना तीन युवकों को भारी पड़ गया। जब उन्होंने बिरयानी में ज्यादा नमक होने की बात कही तो दुकान मालिक और उसके संगी साथियों ने धुनाई कर दी। मामले की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। फिलहाल जांच जारी है।

मोदीनगर। कोतवाली क्षेत्र के किदवईनगर स्थित अलकरीम होटल पर बिरयानी में अधिक नमक होने की शिकायत करना युवकों को महंगा पड़ गया। आरोपित होटल संचालक ने साथियों संग मिलकर युवकों को बुरी तरह पीट दिया। उन्हें गंभीर चोट आई है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को कराया शांत

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। पीड़ित ने थाने में शिकायत दी है। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी है। कोतवाली क्षेत्र के गांव सीकरी खुर्द के योगेश व रविंद्र अपने रिश्तेदार हापुड़ के मोनू के साथ गुरुद्वारा रोड स्थित अलकरीम पर बिरयानी खाने के लिए आए थे।

होटल संचालक व उसके साथियों ने मिलकर तीनों को बुरी तरह पीटा

बिरयानी में उन्हें नमक ज्यादा लगा। उन्होंने इसकी शिकायत होटल संचालक से की। लेकिन उसने अनसुना कर दिया। उन्होंने दोबारा कहा तो संचालक भड़क गया। उसने गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि होटल संचालक व उसके साथियों ने मिलकर तीनों को बुरी तरह पीट दिया।

लाठी-डंडे, चाकू और प्लेट से उन पर किए ताबड़तोड़ वार

लाठी-डंडे, चाकू व प्लेट से उन पर ताबड़तोड़ वार किये। खाली प्लेट भी उनके चेहरे पर फेंकी। हंगामा होता देख किसी व्यक्ति ने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपित वहां से भाग निकला। घायलों का सरकारी अस्पताल में मेडिकल कराया गया। एसीपी मोदीनगर ने बताया कि शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है।

आर्थिक मोर्चे की दो शानदार खबरों से सशक्त होता भारत

यह उल्लेखनीय एवं संतोष का विषय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। 'इंडियन इकॉनमी- अ रिव्यू' में यह उम्मीद जताई गई है कि भारत 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर और 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बन जाएगा।

ललित गर्ग

एक जून को आम चुनाव के सातवें व अंतिम चरण के चुनाव हो रहे हैं, जिसमें 57 सीटों पर मतदान चल रहा है, चुनाव से पहले कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ध्यान को लेकर विपक्ष की धमासान राजनीति हो रही है, कांग्रेस मामले को लेकर अदालत भी पहुंच गई है, इस राजनीतिक गर्मा-गर्मी के बीच मतदान से ठीक एक दिन पहले आर्थिक मोर्चे पर दो शानदार खबरें आई है, जो न केवल चौंका रही है, आश्चर्यचकित कर रही है बल्कि अपूर्व खुशी का अहसास करा रही है। भारत भूमि पर भारतीय रिजर्व बैंक के खजाने में 100 टन से कुछ ज्यादा स्वर्ण का शामिल होना सुखद और गौरवान्वित करने वाली खबर है। इसी तरह दूसरी महत्वपूर्ण खबर है पूर्व के सभी अनुमानों को ध्वस्त करते हुए देश की अर्थव्यवस्था ने 8.2 फीसदी की दर से उड़ान भरी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, पहली तिमाही अप्रैल-जून में 7.8 फीसदी, दूसरी तिमाही जुलाई- सितंबर में 7.6 प्रतिशत और तीसरी तिमाही अक्टूबर- दिसंबर में 8.6 फीसदी की दर से बढ़ी थी। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई। जीडीपी की यह रफ्तार दुनिया के सभी विकसित एवं विकासशील देशों में सर्वाधिक है। उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति की यह तेज गति सशक्त अर्थव्यवस्था को एवं दुनिया की तीसरी आर्थिक महाताकत बनने के संकल्प को बल देगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूसरे कार्यकाल की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से ही भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में एक चमकते सितारे के रूप में उभरी है, सुदृढ़ आर्थिक विकास के सुनहरे परिदृश्य प्रस्तुत कर रही है एवं "मजबूत आर्थिक विकास" को दर्शा रही है।

जीडीपी की शिखर की ओर बढ़ने की गति भारत के शक्तिशाली बनने का आधार है। विनिर्माण, निर्माण, लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाओं द्वारा प्रोत्साहित, चौथी तिमाही की 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्थशास्त्रियों द्वारा लगाए गए 7.3-7.4 प्रतिशत के उच्चतम अनुमान से कहीं अधिक रही। और 8.2 प्रतिशत की पूर्ण वर्ष की वृद्धि दर आरबीआई द्वारा अनुमानित 7 प्रतिशत और एनएसओ द्वारा 2023-24 के लिए 7.6 प्रतिशत के दूसरे अग्रिम अनुमान से अधिक है। यह आंकड़ा सभी अनुमानों एवं पूर्वानुमानों से ऊपर है। जीडीपी की गति इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति देगी। यह आर्थिक विकास देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा। यह जीडीपी इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल यानी 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का विजन निश्चित ही हम हासिल करेंगे।

ध्यान देने की बात है कि आजादी के बाद की अधिकतम शासन करने वाली सरकारों ने आर्थिक संकट ही खड़े किये थे। साल 1991 में जब भारत पर आर्थिक संकट आया था, तब शायद भारतीय अर्थव्यवस्था से दुनिया के ज्यादातर देशों को विश्वास कुछ डिग गया था। मजबूरी में देश को अपना सोना विदेश भेजना पड़ा था। तब कर्ज का जाल भारी हो गया था, लेकिन आज भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर रही है और कर्ज चुकाना अब समस्या नहीं है। ऐसे में, इतने बड़े पैमाने पर विदेश से सोना लाने की प्रशंसा ही की जा सकती है। मार्च के अंत तक रिजर्व बैंक के पास 822.1 टन सोना था, जिसमें से 413.8 टन विदेश में था। वास्तव में, अपना सोना किसी अन्य देश में रखने को बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। रिजर्व बैंक शायद संदेश देना चाहता है कि भारत अब शक्तिशाली है और वह अपने सोने की हिफाजत खुद कर सकता है। आज अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर हम ब्रिटेन से आगे निकल गए हैं, तो हमें अपनी नीतियों में

गरिमा के अनुरूप परिवर्तन करना ही चाहिए। वैसे, भारत की स्थिति अचानक नहीं सुधरी है। एक खास बात यह भी है कि भारत चालू वित्त वर्ष में ऐसे चंद देशों में शुमार है, जिन्होंने सोना खरीदा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कुछ ही महीनों में 27.5 टन सोना खरीदकर अपने स्वर्ण भंडार में जमा किया है।

स्वर्ण भंडार के मामले में भारत 822.1 टन के साथ दुनिया में नौवें स्थान पर है और अमेरिका के पास सर्वाधिक 8,133 टन से ज्यादा सोना है। जर्मनी के पास 3,352 टन सोना है। उसके बाद इटली, फ्रांस, रूस, चीन (2,262 टन), स्विट्जरलैंड और जापान का स्थान है। समय के साथ सोने का भाव बढ़ता ही रहा है, बीस साल पहले जो सोना 6,307 रुपये प्रति दस ग्राम का था, वही सोना आज 73,390 रुपये प्रति 10 ग्राम का हो गया है। जाहिर है, सोने की मांग नहीं घटने वाली, पर ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को अपनी बुद्धि, कौशल और श्रम से सोना खरीदने में सक्षम होना पड़ेगा, तभी देश के स्वर्ण भंडार की खनक-चमक बढ़ेगी। कई उच्च आवृत्ति संकेतक जैसे जीएसटी संग्रह, बिजली खपत, माल ढुलाई आंकड़े आदि संकेत देते हैं कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली और उत्साही बनी हुई है। मोदी यदि तीसरे कार्यकाल के लिये प्रधानमंत्री चुने जाते हैं तो भारत की आर्थिक विकास गति जारी रहेगी। जीडीपी एवं आर्थिक गति मूडीज, फिच, एसएंडपी, नोमुरा, रिजर्व बैंक, आईएमएफ आदि दिग्गज वित्तीय संस्थानों के अनुमानों को ठुकराते हुए नई छलांगे लगायेगी।

प्रधानमंत्री ने देश में आतंकवादी वारदातें कम होने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, सरकार के ईमानदारी और पारदर्शिता से काम करने का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिए ज्यादा से ज्यादा धन खर्च किया है और 13.5 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। निश्चित ही भारत से गरीबी दूर हो रही है। उन्होंने देशवासियों को इस बात का अहसास कराया कि जब देश आर्थिक रूप से मजबूत होता है तो तिजोरी ही नहीं भरती बल्कि देश का सामर्थ्य भी बढ़ता है। उन्होंने देशवासियों से परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के खिलाफ लड़ने का आह्वान भी किया क्योंकि ये गरीब, पिछड़े, आदिवासियों और दलितों का हक छीनते हैं।

यह उल्लेखनीय एवं संतोष का विषय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। 'इंडियन इकॉनमी- अ रिव्यू' में यह उम्मीद जताई गई है कि भारत 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर और 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बन जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार इस बात की गारंटी दे रहे हैं कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा। भारत फिलहाल दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वैश्विक वित्तीय संस्थान मॉर्गन स्टेनली ने भी ऐसी ही भविष्यवाणी की थी। तमाम तरह की अनुकूलताओं एवं गुलाबी अर्थ रंगों के बावजूद हमें आर्थिक गति की बाधाओं पर भी ध्यान देना होगा। तेज विकास दर के बावजूद रोजगार के मोर्चे पर खास प्रगति नहीं हुई है। आज भी युवा बेरोजगारी का स्तर 40 फीसदी तक बताया जाता है। यह स्थिति गंभीर इसलिए भी है कि यह तेज विकास दर के फायदों को सीमित करती है। एक बड़ी चुनौती यह भी है कि निजी पूंजी निवेश में बढ़ोतरी नहीं हो रही है। श्रम-शक्ति में महिलाओं की कम भागीदारी आर्थिक ही नहीं सामाजिक और अन्य दृष्टियों से भी चिंता की बात है। इस मामले में हम पड़ोस के बांग्लादेश और पाकिस्तान से भी पीछे हैं। अर्थव्यवस्था से जुड़ी दो खबरों ने राहत की सांसें है जिससे नया भारत- सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी बलशाली बन सकेगा। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी।

टोयोटा ने मई 2024 में बेची 25 हजार से ज्यादा गाड़ियां

हाइराइडर और फॉच्यर्यूनर जैसी एसयूवी की दम पर बढ़ी सेल

Toyota की पिछले महीने घरेलू बिक्री 23959 यूनिट्स रही जबकि निर्यात 1314 यूनिट्स रहा। कंपनी की मासिक बिक्री भी अप्रैल 2024 की तुलना में 23 प्रतिशत बढ़ी है और कंपनी ने 20494 यूनिट्स बेचीं। टोयोटा ने इस साल अप्रैल में अपनी फ्लीट में अर्बन क्रूजर टैसर को भी जोड़ा है। इसकी डिलीवरी पिछले महीने शुरू हुई है। आइए पूरी रिपोर्ट के बारे में जान लेते हैं।

पारंवहन विंशेष न्यूज

नई दिल्ली। Toyota Kirloskar Motor (TKM) ने मई 2024 की सेल्स रिपोर्ट जारी की है। आंकड़ों के मुताबिक ऑटोमेकर ने पिछले महीने 25,273 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है, जो साल 2023 में इसी महीने के दौरान बेची गई 20,410 यूनिट्स की तुलना में सालाना स्तर पर 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। आइए, पूरी रिपोर्ट के बारे में जान लेते हैं।

Toyota Kirloskar Motor की सेल्स रिपोर्ट

पिछले महीने ब्रांड की घरेलू बिक्री 23959 यूनिट्स रही, जबकि निर्यात 1314 यूनिट्स रहा। कंपनी की मासिक बिक्री भी अप्रैल 2024 की तुलना में 23 प्रतिशत बढ़ी है और कंपनी ने 20494 यूनिट्स बेचीं। बिक्री प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के बिक्री-सेवा-प्रयुक्त कार व्यवसाय के उपाध्यक्ष सबरी मनोहर ने कहा कि हम पिछले वर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करके मई 2024 के महीने में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज करना जारी रखते हैं।

टोयोटा ने कैलेंडर वर्ष के पहले 5 महीनों में वॉल्यूम में 48 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने जनवरी और मई 2024 के बीच 122776 यूनिट सेल की हैं, जबकि पिछले कैलेंडर वर्ष के दौरान इसी अवधि के दौरान 82,763 यूनिट बेची गई थीं।

Taisor का रहा अहम रोल

टोयोटा ने इस साल अप्रैल में अपनी फ्लीट में अर्बन क्रूजर टैसर को भी जोड़ा है। इसकी डिलीवरी पिछले महीने शुरू हुई है। नई यूसी टैसर मारुति सुजुकी फ्रोंक्स का री-बैज है और सब-4-मीटर एसयूवी सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा करती है। कूप-स्टाइल वाली ये एसयूवी 1.0-लीटर टर्बो, 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड और सीएनजी विकल्प के साथ पेश की गई है। ट्रांसमिशन विकल्पों में 5-स्पीड मैनुअल, एएमटी और टॉर्क कन्वर्टर शामिल हैं।

हुंडई ने मई 2024 में की जबरदस्त बिक्री, एक्सपोर्ट में भी आया भारी उछाल

Hyundai ने बताया है कि उन्होंने मई 2024 में भारत में 49151 यूनिट बेचने के साथ-साथ14400 यूनिट एक्सपोर्ट की हैं। ब्रांड का सबसे हालिया लॉन्च क्रेटा का फेसलिफ्टेड वर्जन था जो भारतीय बाजार में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसकी कीमत11 लाख रुपये से 20 .15 लाख रुपये एक्स शोरूम के बीच है। आइए सेल्स रिपोर्ट के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। Hyundai Motor India Limited ने बताया है कि उन्होंने मई 2024 में भारत में 49,151 यूनिट बेचने के साथ-साथ14,400 यूनिट एक्सपोर्ट की हैं। मई 2023 में कुल बिक्री की तुलना में यह 6.63 प्रतिशत की वृद्धि है। मई 2024 में निर्यात में 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मई में घरेलू बिक्री में ग्रामीण बिक्री का हिस्सा 20.1 प्रतिशत रहा।

Hyundai की सेल्स रिपोर्ट

डीलरों को वाहनों की घरेलू डिस्पैच पिछले महीने 1 प्रतिशत बढ़कर 49,151 यूनिट हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 48,601 यूनिट थी। मई में निर्यात 31 प्रतिशत बढ़कर 14,400 यूनिट हो गया है, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 11,000 यूनिट था। SUVs ब्रांड के लिए गेम चेंजर बनी हुई हैं, क्योंकि कुल बिक्री में उनका हिस्सेदारी 67 प्रतिशत थी।

2024 Hyundai Creta का अहम रोल

ब्रांड का सबसे हालिया लॉन्च क्रेटा का फेसलिफ्टेड वर्जन था, जो भारतीय बाजार में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसकी कीमत11 लाख रुपये से 20.15 लाख रुपये एक्स शोरूम के बीच है। इसको जनवरी में लॉन्च किया गया था और अप्रैल में इसकी बुकिंग एक लाख से अधिक हो गई थी।

हुंडई ने खुलासा किया कि सनरूफ और कनेक्टेड कार फीचर वाले वेरिएंट की कुल बुकिंग में क्रमशः 71 प्रतिशत और 52 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ग्राहक इसे कुल सात वेरिएंट ऑप्शन- E, EX, S, S(O), SX, SX Tech और SX(O) में खरीद सकते हैं। Hyundai ने Creta का N Line वर्जन भी पेश किया है, जिसे केवल दो वेरिएंट - N8 और N10 में बेचा जा रहा है।

महिन्द्रा की बिक्री में तगड़ा उछाल, मई 2024 की सेल्स रिपोर्ट में दर्ज हुई 31 प्रतिशत की बढ़त

महिंदरा ने शनिवार को कहा कि मई में उसकी कुल रिटेल सेल सालाना स्तर पर 17 फीसदी बढ़कर 71682 यूनिट हो गई। मई 2023 में कंपनी ने अपने डीलरों को कुल 61415 यूनिट डिस्पैच किए। भारतीय बाजार में महिंद्रा का सबसे हालिया लॉन्च XUV 3XO है। इस सब 4-मीटर कॉम्पैक्ट एसयूवी की अब तक 2500 से अधिक यूनिट ग्राहकों को डिलीवर की जा चुकी हैं।

नई दिल्ली। Mahindra and Mahindra ने घोषणा की है कि उन्होंने मई 2024 में कुल 44,283 यूनिट सेल की हैं। कंपनी के मुताबिक, घरेलू बिक्री 43218 यूनिट रही, जबकि बाकी निर्यात की गई। वृद्धि का आंकड़ा 31 प्रतिशत रहा, जबकि कमर्शियल वाहनों की घरेलू बिक्री के आंकड़े 19,826 यूनिट रहे।

Mahindra की सेल्स रिपोर्ट

कंपनी ने शनिवार को कहा कि मई में उसकी कुल रिटेल सेल सालाना स्तर पर 17 फीसदी बढ़कर 71,682 यूनिट हो गई। मई 2023 में कंपनी ने अपने डीलरों को कुल 61,415 यूनिट डिस्पैच किए। मुंबई स्थित ऑटो प्रमुख की घरेलू बाजार में पैसेंजर वाहन बिक्री पिछले महीने 31 फीसदी बढ़कर 43,218 यूनिट हो गई, जो मई 2023 में 32,886 यूनिट थी। यह जानकारी कंपनी ने एक बयान में दी।

निर्यात पिछले महीने साल-दर-साल 2 फीसदी बढ़कर 2,671 यूनिट हो गया, जो मई 2023 में 2,616 यूनिट था। महिंद्रा के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर (एफईएस) ने पिछले साल की समान अवधि के 34,126 यूनिट के मुकाबले 37,109 यूनिट पर कुल ट्रैक्टर बिक्री में 9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की।

Mahindra 3XO बनेगी गेम चेंजर

भारतीय बाजार में महिंद्रा का सबसे हालिया लॉन्च XUV 3XO है। इस सब 4-मीटर कॉम्पैक्ट एसयूवी की अब तक 2,500 से अधिक यूनिट ग्राहकों को डिलीवर की जा चुकी हैं। महिंद्रा ने XUV 3XO के केवल मिड-स्पेक वेरिएंट की डिलीवरी शुरू की है। एसयूवी कुल मिलाकर 9 वेरिएंट में उपलब्ध है। जिन ग्राहकों को उनकी यूनिट मिली हैं, उनमें AX5, AX5 L, MX3 और MX3 Pro जैसे वेरिएंट शामिल हैं।

घरेलू निर्माता ने हाल ही में XUV 700 में एक नया वेरिएंट भी जोड़ा है। इसे AX5 Select नाम दिया गया है और इसकी कीमत 16.89 लाख रुपये एक्स-शोरूम है। इसे स्काईरूफ, 10.24-इंच इंफोटेनमेंट स्क्रीन और पुश-बटन स्टार्ट/स्टॉप फंक्शन दिया गया है। ये वेरिएंट 7-सीट लेआउट में उपलब्ध है।

मारुति सुजुकी ने एएमटी वेरिएंट वाली सभी कारों किया सस्ता, जानिए कितने घट गए दाम

परिवहन विशेष न्यूज

मारुति सुजुकी द्वारा कीमतों में कटौती संभवतः AGS वेरिएंट को अधिक किफायती बनाने के लिए की गई थी। सभी AGS वाहनों की कीमतों में 5 हजार रुपये की कटौती की गई है। AGS अनिवार्य रूप से एक AMT या ऑटोमेटेड ट्रांसमिशन ट्रांसमिशन है जिसमें एक इंटेलिजेंट शिफ्ट कंट्रोल एक्ट्यूएटर होता है। इसे ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर यूनिट द्वारा संचालित किया जाता है।

नई दिल्ली। Maruti Suzuki ने ऑटो गियर शिफ्ट से लैस अपने वाहनों की कीमत में कटौती की है। कंपनी ने आधिकारिक बयान देते हुए कीमतों में कटौती का खुलासा किया है, जिसमें कहा गया कि यह Alto K10, S-Presso, Celerio, Wagon-R, Swift, Dzire, Baleno, Fronx और Ignis जैसे कई मॉडलों पर लागू है। कीमतों में कटौती शनिवार को प्रभावी हुई है और इस निर्णय के पीछे का सटीक कारण नहीं बताया गया।

AGS वेरिएंट हुए सस्ते

कीमतों में कटौती संभवतः AGS वेरिएंट को अधिक किफायती बनाने के लिए की गई थी। सभी AGS वाहनों की कीमतों में 5 हजार रुपये की कटौती की गई है। एक्सचेंज फाइलिंग में मारुति सुजुकी ने कहा-

कंपनी ने आज अपने सभी मॉडलों में AGS (ऑटो गियर शिफ्ट) वेरिएंट की कीमतों में कटौती की घोषणा की है। सभी मॉडलों (ऑल्टो के10, एस-प्रेसो, सेलेरियो, वैगन-आर, स्विफ्ट, डिजायर, बलेनो, फ्रोंक्स और इग्निस) में AGS वेरिएंट की कीमतों में 5000 रुपये की कटौती की गई है। कीमतें आज यानी 1 जून, 2024 से लागू होंगी।

कैसे काम करता है सिस्टम?

AGS अनिवार्य रूप से एक AMT या ऑटोमेटेड ट्रांसमिशन ट्रांसमिशन है, जिसमें एक इंटेलिजेंट शिफ्ट कंट्रोल एक्ट्यूएटर होता है। इसे ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर यूनिट द्वारा संचालित किया जाता है। सिस्टम खुद ही क्लच को जोड़ता और अलग करता है और वाहन को चलाने की स्थिति को देखते हुए गियर भी बदलता है।

निर्माता ने हाल ही में भारत में अपने 5,000वें सर्विस टचपॉइंट के उद्घाटन के साथ एक नया माइलस्टोन हासिल किया है। कंपनी के नवीनतम सर्विस सेंटर का उद्घाटन हरियाणा के गुरुग्राम में किया गया। कंपनी ने कहा कि यह विस्तार मारुति सुजुकी की अपने ग्राहकों को एक सहज कार स्वामित्व अनुभव प्रदान करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। मारुति सुजुकी का सर्विस नेटवर्क अब देश भर के 2,500 शहरों में फैला हुआ है।

कब तक हादसों का शिकार होते रहेंगे निर्दोष

योगेंद्र योगी

जैसे-जैसे शहर गरम हो रहे हैं, एसी से आग लगने के हादसों में तेजी आ रही है। ऐसा ओवरलोडिंग की वजह से हो रहा है, क्योंकि हर घर में एसी का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके चलते 33 किलोवाट के पावर स्टेशन के ट्रांसफॉर्मरों में भी आग लगने के आसार बढ़ जाते हैं'

राजनीतिक दल समस्या के जड़मूल से समाधान करने के बजाय कैसे घडियाली आंसू बहाते हैं, इसका उदाहरण दिल्ली के अस्पताल में और राजकोट के गेम जोन में हुई भीषण अग्नि दुर्घटनाएं हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब इस तरह के हादसों ने देश को झकझोर कर रख दिया हो। ये हादसे बताते हैं कि सरकारी तंत्र में किस हद तक भ्रष्टाचार और लापरवाही की जंग लग चुकी है। कानूनों में परिवर्तन के बावजूद ऐसी व्यवस्था नहीं की गई कि हादसे से पहले कानून का उल्लंघन करने से संभावित हादसों के लिए जिम्मेदारी तय की जा सके। इसके विपरीत सरकारें नए हादसों का इंतजार करती रहती हैं। ऐसे हादसे अपितु तो चुनावी मुद्दे बनते नहीं हैं, फिर भी कोई राजनीतिक दल इसका जिक्र करता है तो विपक्षी दल उसके शासन के दौरान हुए हादसों की फेहरिस्त थमा देता है। इससे जाहिर है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकता हादसे घटाने के लिए इंतजाम करने में नहीं है, बल्कि विरोधी दलों की असफलता गिनाने में है। दिल्ली के विवेक विहार स्थित न्यू बॉर्न बेबी केयर सेंटर में आग लगने से सात बच्चों की मौत हुई थी। वहीं, शाहदरा में एक चार मंजिला इमारत में लगी आग की घटना में तीन लोगों की मौत हुई थी। पुलिस के मुताबिक सुविधा में कोई अग्निशामक यंत्र या आपातकालीन निकास नहीं था। दुर्घटना के समय जो डॉक्टर ड्यूटी पर था, वह नवजात प्रोत्साहन देखभाल की आवश्यकता वाले नवजात शिशुओं का इलाज करने के लिए योग्य नहीं था। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय या डीजीएचएस द्वारा अस्पताल को जारी किया गया लाइसेंस दुर्घटना से लगभग दो महीने पहले ही 31 मार्च को समाप्त हो चुका था। इस अग्निकांड में अस्पताल के मालिक डॉ. नवीन खिची को कल गिरफ्तार कर लिया गया।

आग लगने के समय ड्यूटी पर मौजूद एक अन्य डॉक्टर को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इसी तरह गुजरात के राजकोट में एक गेम जोन में आग लगने की घटना में 12 बच्चों समेत कुल 27 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति बीरेन वैष्णव और न्यायमूर्ति देवन देसाई की पीठ ने इस हादसे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि इस तरह के गेम जोन जरूरी मंजूरी लिए बिना बनाए गए हैं। साथ ही हादसे को लेकर कहा कि यह प्रथम दृष्टया मानव निर्मित आपदा है। इससे पहले भी ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति अलग-अलग स्थानों पर होती रही है। 30 अक्टूबर 2022 को गुजरात के मोरबी ब्रिज त्रासदी में 135 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से ज्यादातर महिलाएं, बच्चे और

बुजुर्ग थे। 137 साल पुराना सस्पेंशन ब्रिज मरम्मत के बाद पांच दिन पहले ही फिर से खुला था। मोरबी पुल की मरम्मत में जिन सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया था, उनकी गुणवत्ता घटिया थी। इस वजह से पुल की संरचना ही कमजोर बनी। 143 वर्ष पुराने इस पुल का किसी ने कभी संरचनात्मक ऑडिट तक भी नहीं किया था। इस सस्पेंशन ब्रिज के कई केबलों पर जंग लग चुका था, जिस वजह से उनकी भार उठाने की क्षमता पहले के मुकाबले कम हो गई थी। पुल को देखने आए लोगों को किसी आपात स्थिति में बचाने के लिए यहां कोई इंतजाम पहले से नहीं था। इस ब्रिज की मरम्मत को लेकर भी कंपनी के पास कोई कागजात नहीं थे। कंपनी को पुल के मरम्मत का काम दिसंबर तक करने का समय दिया गया था, लेकिन उसने इसे जल्दी खोल दिया। मोरबी पुल हादसे से पहले गुजरात के सूरत के सरथाना इलाके में एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से कम से कम 22 छात्रों की मौत और कई अन्य घायल हो गए थे। यह कोचिंग सेंटर तक्षशिला कॉम्प्लेक्स की तीसरी और चौथी मंजिल पर स्थित था। इस कोचिंग सेंटर में ज्यादातर किशोर थे। सभी छात्रों की मौत दम घुटने या कॉम्प्लेक्स से कूदने के कारण हुई।

अग्नि या दूसरी दुर्घटनाओं के प्रति सरकारों की गैर जिम्मेदारी का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि देश की राजधानी दिल्ली में इस साल अब तक आग से 55 लोगों की मौत हो गई और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। वर्ष 2023 में इसी अवधि के दौरान 36 लोगों की जान गई थी। देश में पांच साल में 50 हजार से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। वर्ष 2021 में आगजनी की 8491 घटनाएं दर्ज हुई हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के मुताबिक 2017 से लेकर 2021 तक पांच साल में आग लगने की 55 हजार 353 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें 54 हजार 280 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 4348 आगजनी की घटनाएं रिहायशी इलाकों और इमारतों में हुईं। इसके बाद कॉमर्शियल इमारतों में 274, गाडियों में 241 घटनाएं हुईं। राहत की बात है कि साल दर साल आग लगने की घटनाओं और मृतकों की संख्या में गिरावट हो रही है। इसी साल आग लगने की कुल घटनाओं में से कम से कम चार घटनाएं ऐसी थीं, जो अस्पतालों में हुई थीं। दिल्ली, मुंबई, जबलपुर और हैदराबाद के अस्पतालों में हुए इन हादसों में नौ लोगों की जान गई थी। इनमें से आठ लोगों की जान जबलपुर के न्यू लाइफ मल्टी स्पेशियलिटी हास्पिटल में हुए हादसे में गई थी। पिछले साल जून में प्रकाशित रिपोर्ट जर्नल ऑफ फेल्योर एनालिसिस एंड प्रेवेंशन के मुताबिक इस हादसे और मौतों के पीछे की मुख्य वजह यह थी कि अस्पताल में इमरजेंसी की हालत में बाहर निकलने के लिए केवल एक ही रास्ता बनाया गया था और वह भी पर्याप्त यानी 3.6 मीटर चौड़ा नहीं था, जो फायर सर्विस की गाडियों के आने-जाने के लिए उपयुक्त होता। इसी रिपोर्ट में बताया गया कि 2023 में झारखंड के धनबाद में आरसी हाजरा मेमोरियल अस्पताल में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की एक बड़ी घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी साल गुजरात के अहमदाबाद में हनी चिल्ड्रंस हास्पिटल में आग लगने के हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई थी। देश के उत्तर-पश्चिमी और केंद्रीय हिस्सों में बसे शहरों में नीतिगत विसंगतियों और अनियंत्रित शहरीकरण के चलते आग लगने की घटनाएं असामान्य नहीं हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों में बिल्डिंगों में आग की घटनाओं की मुख्य वजह रिकॉर्डतोड़ गरमी है। बहुत तेज गरमी एयर कंडीशनर यानी एसी के सिस्टम पर प्रतिकूल असर डालती है। पिछले दो-तीन दिनों में एसी के कम्प्रेशरों में आग लगने की कई घटनाएं हुई हैं। ये उसके बहुत तेज गरम होने और ओवरलोड होने के चलते हुईं। दिल्ली में बिजली की मांग 8300 मेगावाट तक पहुंच गई है, जो कि इस क्षेत्र के इतिहास में सर्वाधिक है। विशेषज्ञों के मुताबिक जब बिजली की मांग ज्यादा होती है, तो उसी हिसाब से ओवरलोडिंग बढ़ती है, जिसके चलते कुछ ट्रांसफॉर्मरों में आग लग जाती है।

मुख्य व्यावसायिक शहरों और उसके खास इलाकों में आम तौर पर भीड़ के कारण तापमान ज्यादा होता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इन इलाकों के लगभग हर घर और दुकान में एसी का इस्तेमाल किया जाता है। इसका असर न केवल बिजली का लोड बढने पर पड़ता है, बल्कि वातावरण में गरमी बढने पर इससे कई बार एसी के कम्प्रेशर फट भी जाते हैं, जिससे इमारतों में आग लग जाती है। जैसे-जैसे शहर गरम हो रहे हैं, एसी से आग लगने के हादसों में तेजी आ रही है। ऐसा ओवरलोडिंग की वजह से हो रहा है, क्योंकि हर घर में एसी का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके चलते 33 किलोवाट के पावर स्टेशन के ट्रांसफॉर्मरों में भी आग लगने के आसार बढ़ जाते हैं। ग्लोबल डिजीज बर्डन की एक रिपोर्ट के मुताबिक विश्व में अग्नि दुर्घटना में होने वाली हर पांचवीं मौत भारत में होती है। इनमें पांच साल से छोटे बच्चे और 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग ज्यादातर अग्नि दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं। सवाल यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं पर लगाम क्यों नहीं लगाई जा सकती?

संपादक की कलम से

क्या मुख्यमंत्री बीमार हैं?

यह बेहद गंभीर सवाल है कि ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की गिरती सेहत और बिगड़ती तबीयत के खिलाफ कोई साजिश कर सकता है क्या? क्या एक मुख्यमंत्री की सुरक्षा-व्यवस्था के साथ ऐसा नियमित खिलवाड़ संभव है? मुख्यमंत्री नवीन पटनायक हैं, लेकिन उनके डिजिटल हस्ताक्षरों का दुरुपयोग कर कोई लॉबी सत्ता का अवैध संचालन कर सकती है? क्या सत्ता और सरकार की लोकतांत्रिक व्यवस्था इतनी कमजोर हो सकती है? जनादेश किसी राजनेता के आह्वानों और उसके राजनीतिक दल को मिले, लेकिन सत्ता अदृश्य रूप से कोई और चलाए, क्या हमारी संवैधानिक व्यवस्था में ऐसे भी छिद्र हैं? 18वीं लोकसभा के लिए आम चुनाव आज समाप्त हो रहा है। चुनाव-प्रचार पर तो 30 मई को ही पटाक्षेप हो गया था। ढेरों अनाप-शनाप मुद्दे उठाए गए। संविधान बदलने और लोकतंत्र खत्म होने की हास्यास्पद राजनीति भी की गई, लेकिन इस मुद्दे पर किसी भी पक्ष ने चिंता और सरोकार नहीं जताए, जो सीधा 'जनसेवक' के स्वास्थ्य से जुड़ा है और उसके यथार्थ को जानने का अधिकार जनता को है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की सेहत को लेकर सवाल जरूर उठाया, लेकिन उसे 'राजनीतिक साजिश' का रंग भी दे दिया, लिहाजा प्रधानमंत्री भी वोट बटोरने की मुद्रा में थे। उनका आशय यह था कि जो मुख्यमंत्री काम करने में 'असहाय' हो, तो उसका विकल्प ढूंढना चाहिए। साफ मायने थे कि विकल्प के तौर पर ओडिशा में भाजपा मौजूद है, लिहाजा उसे ही जनादेश मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने उनका माकूल जवाब भी दिया कि यदि प्रधानमंत्री उन्हें अपना मित्र मानते हैं, तो वह फोन कर तबीयत का हाल पूछ सकते हैं। अलबत्ता वह बिल्कुल ठीक-ठाक और अपना दायित्व निभाने लायक हैं। लेकिन जो दो वीडियो सार्वजनिक हुए हैं, उनमें से एक वीडियो में मुख्यमंत्री चुनावी सभा को संबोधित कर रहे हैं और उनका बायां हाथ इस तरह हिल रहा था मानो वह पार्किन्सन रोग के मरीज हैं! मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव रहे, अब उनके निकटस्थ सहयोगी, पूर्व आईएएस अधिकारी वीके पांडियन बार-बार मुख्यमंत्री के हिलते हाथ को ओट में छिपा रहे थे, लेकिन हाथ बार-बार सार्वजनिक हो रहा था। दूसरे वीडियो में एक सहयोगी मुख्यमंत्री के पांव को सहारा दे रहा था, उसी से मुख्यमंत्री स्थिर होकर बैठ पा रहे थे।

दरअसल प्रधानमंत्री ने जो सवाल उठाए हैं, वे पांडियन को निशाना बनाकर उठाए हैं। साजिश का मुलम्मा पांडियन पर ही चढ़ाया जा रहा है, लिहाजा प्रधानमंत्री ने यहां तक घोषणा कर दी कि यदि 10 जून को ओडिशा में भाजपा सरकार बनी, तो एक विशेष समिति गठित कर जांच कराई जाएगी कि नवीन बाबू की तबीयत इस कदर बिगड़ती क्यों गई है? प्रधानमंत्री मानते हैं कि ओडिशा में परदे के पीछे से एक खास लॉबी सत्ता भोग रही है, जिसे बेनकाब करना जरूरी है, क्योंकि यह लोकतंत्र और जनादेश के खिलाफ है। दरअसल भारत में राजनेता के निजता के अधिकार और जनता के सब कुछ जानने के अधिकार के बीच कुछ 'लक्ष्मण-रेखाएं' खींची गई हैं। भारत में सार्वजनिक संवाद कमोबेश मौन रहने वाला या अल्पभाषी और चौकस रहा है। निजी जिंदगी पर चर्चा राजनीतिक विरोधियों और मीडिया में उतनी नहीं है, जितनी अमरीका जैसे देश में है। जो शख्स सत्ता हासिल करना चाहता है और उसके लिए चुनाव लड़ रहा है, उसकी शारीरिक, मानसिक सेहत और चरित्र के बारे में भी उतना सरोकार नहीं रहता, जितना पश्चिमी देशों में है। भारत में तो 90 साल का ढहता, हिलता हुआ, अस्वस्थ नेता भी चुनाव लड़ता है और उसे जन-स्वीकृति भी मिलती है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का मामला भिन्न है, क्योंकि वह फिलहाल सत्ता में हैं और आगामी पांच साल के जनादेश के लिए चुनाव-मैदान में हैं। समय बदल रहा है। नैतिकता और लक्ष्मण-रेखाएं एक तरफ रहनी चाहिए और नेता की शारीरिक और मानसिक सेहत की जानकारी जनता को जरूर दी जानी चाहिए, क्योंकि उस नेता के हाथ में एक पूरे राज्य के अरबों रुपए के संसाधन होते हैं। वह जनता की ही पूंजी है।

चर्चा

चुनाव को जनता का खौफ

चुनाव चिढ़ाने लगे हैं, वादों के दांतों से डराने लगे हैं। आसमान में चढ़ाते फिर गिरा कर खजूर के पेड़ पर लटका देते हैं जो चुनाव, उन्हीं का पीछा करते अब जनता आगे देखना चाहती है। देश जितना आगे देखेगा, उतनी ही दृष्टि हिमाचली जनता भी प्रत्यक्ष और प्रमाणित करना चाहेगी। जिस देश में मोदी दस साल चले, वहां हिमाचल ने पिछले विधानसभा में पैंतरा क्यों बदला। जिस प्रदेश ने कांग्रेस को सत्ता सौंपी, उसके छह विधायक क्यों सुक्खू सरकार के खिलाफ बगावती हुए। क्या इन चुनावों में पिछले विधानसभा चुनावों का रंज छुपा है या देश के हालात और नए मुद्दों की दीवार पर चढक़र हिमाचल अपना जनादेश खोजेगा। जो भी हो गर्मियों की ऋतु से गर्म स्वभाव के चुनाव में मतदाता की खामोशी निरा संयम तो नहीं। हजारों पोस्टरों और होर्डिंग्स के बीच खुद को दिशाहीन पा रहा मतदाता शायद पूछ रहा है कि इस बार ऐसा क्या खास, जो पिछली बार के मतदान ने उदास किया। चुनाव की ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर भी मतदान की मंजिल पर लुटेरों की बस्ती और अनादर की गलियों में आम नागरिक की उम्मीदें। कितनी गारंटियां अब बंट रहीं और चुनाव रेहड़ी पर बांट रहा देश का मुकद्दर, लेकिन घर में बेटे-बेटी के अरमान उपहास उड़ाते हैं। देश-प्रदेश की नीतियों के गहने पहने उम्मीदवारों का शृंगार पहली बार असली और नकली के बीच झूल रहा है तो इसलिए कि राजनीति ने दलबदल को नैतिकता से अलग कर दिया। कौन किसके पलड़े में आबाद और किसने अपनी पार्टी का दामन छोडक़र दूसरे घर का नमक हलाल कर दिया, इस बहस से दूर चुनाव की एकाग्रता में सत्ता का गठजोड़ स्पष्ट है। चुनाव देश के बजाय देश की सरकार के लिए और प्रदेश में भी सत्ता की जय जयकार के लिए हथियाए जा चुके हैं। चुनाव अब लोकतंत्र का पहरावा नहीं, सत्ता का मुजरिम है। न्यायाधीश बनी राजनीति बरगला रही है अपनी ही न्याय पद्धति से चुनाव को चला रही है। यह दीगर है कि चलते चुनाव के साथ जनता कतई नहीं चल रही। जो मीडिया बहस में बोला या तौला जा रहा, उससे दूर छिटक कर क्यों बैठ गई जनता। क्या जनता को गारंटियों की गारंटी पर भरोसा नहीं या नेताओं के रिपोर्ट कार्ड पर इतना संदेह है कि वक्त के जख्म अब कुरेदे नहीं जा रहे। जो प्रचार यह दर्शा रहा कि देश की किस्मत 400 के पार हो रही, उसे भी मालूम नहीं कि मतदाता की खामोशी में पतझड़ का अंदेशा है या वसंत की कलियों में खिलने से पूर्व का संघर्ष है। हिमाचल में अग्निवीर योजना की समीक्षा में भाजपा के लिए प्रदेश की सैन्य पृष्ठभूमि आड़े आ रही है, लेकिन बागी विधायकों की रुसवाई में कांग्रेस की सत्ता को अग्निपरीक्षा देनी पड़ रही है। हिमाचल में चुनाव के एक पक्ष में लाभ की रेखा है, तो दूसरे ही पल हानि की मुद्रा में जनता का खौफ सता रहा है। जनता की कचहरी पहले भी थी, लेकिन पहली बार इसके तेवर बदले हैं। यह चुनाव के भीतर लोकतंत्र की बची खुची मर्यादा के लिए सही वक्त खोज रही है। यहां चुनाव के मायने एक लोकसभा या विधानसभा सीट नहीं, बल्कि लोकतंत्र के सिंहासन पर देश को प्रतिष्ठित करने की जिम्मेदारी है ताकि सत्ता के नशे में कोई एक शख्स पूरी व्यवस्था, लोकतांत्रिक परंपराओं और संस्थानों पर भारी न पड़ जाए। देश की परिस्थितियां, लोकतांत्रिक काबिलियत के लिए जनता से मुखातिब हैं। जनता खामोश निगाहों में राजनीति के जखीरे लिए यह सोच रही है कि अबकि बार सोच समझ कर इनसाफ न किया, तो यह लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति लापरवाही होगी। देखें सचेत मन से मतदाता की आंखों से तीर निकलता है या तुक्का।

राजेंद्र राजन

टूटी सडक़ों के दरमियां कुल्लू की सैरगाहें

कुल्लू में ही बिजली महादेव के लिए नग्गर से 50 साल पूर्व वन विभाग की एक सडक़ बनी थी जो जंगल ज्यादा सडक़ कम है। आज भी बिजली महादेव जैसे अत्यंत आकर्षक स्थल तक पहुंचने के लिए सडक़ नहीं है'

साल 1970 से लेकर 2024 के मध्य मुझे दर्जनों बार कुल्लू जिले के पर्यटन स्थलों में सैर-सपाटे के अवसर मिले हैं। 1970 में मैंने मनाली से रोहतांग की यात्रा पैदल तय की थी और कोठी से केलांग की सडक़ निर्माणधीन थी। हाल में जब मैं कुल्लू जाते हुए लारजी टनल के पास रुका तो पता चला कि वहां से शांघड़ 30 किलोमीटर दूर है। लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए मुझे कार में 3 घंटे का वक्त लगा। वाया सैंज आप जब शांघड़ पहुंचते हैं तो पहाड़ के खूब शिखर पर एक विशाल हरा-भरा मैदान आपका स्वागत करता है। चंद साल पहले देश-विदेश में खूब लोकप्रिय रही पहाड़ी भाषा की 'सांझ' फिल्म के ओपनिंग दृश्य इसी अत्यंत मनोरम स्थल पर फिल्माए गए हैं। मगर मुद्दा यह है कि आप कुल्लू के किसी भी शहरी कस्बाई या गांव में भ्रमण या ट्रैकिंग के लिए निकल जाएं, टूटी सडक़ों की दुर्दशा देखकर आप हिमाचल सरकार को कोसे बिना नहीं रह सकेंगे। आपको डिप्रैशन भी हो सकता है। शांघड़ तक पहुंचना और पुनः लारजी के पास फोरलेन तक लौटना एक ऐसा दुष्कर और तनावपूर्ण यात्रा अनुभव है जिसे आप ताउम्र नहीं भूल सकते। 1993-94 में जब कुल्लू में मेरी तैनाती थी, तब भी बाढ़, सैलाब और ब्यास के तटबंध जार-जार होने की घटनाएं आम थीं।

जुलाई-अगस्त 2023 में कुल्लू में भयंकर बारिश और बाढ़ के बाद दर्दनाक हादसे दरपेश आए थे। लेकिन स्थानीय लोग इस बात को लेकर क्षुब्ध हैं कि एक साल बाद टूटी सडक़ों की मरम्मत तो हो सकती है। विक्रमादित्य जो माल रोड या रिज पर अपने पिताश्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह को प्रतिमा के लिए दो $गज ज़मीन भी न मिलने के लिए सुक्खू सरकार से क्षुब्ध थे, और मीडिया के समक्ष आंसू बहा रहे थे, लोक निर्माण मंत्री रहते हुए कुल्लू तो क्या, देश की सडक़ों की ओर $खास ध्यान नहीं दिया। सत्ता पाने, उसे बचाए रखने की जंग में हिमाचल की कांग्रेस सरकार इस कदर व्यस्त रही है कि जनसमस्याएं नेपथ्य में सरका दी गई हैं। बेहतर होता अगर सुक्खू हैलीकाप्टर में उड़ते रहने का 'सुख' प्राप्त करने की बजाय सडक़ों से प्रदेश की यात्रा करते और सूरतेहाल से परिचित होते। बहरहाल, कुल्लू में शांघड़ तो एक महज़ उदाहरण है। बंजार रोड पर शोजा या जलोड़ी पास तक जाने वाली सडक़ भी कई सालों से बेहद खस्ताहाल में रही है। शोजा का मनमोहक पर्यटन स्थल बरबस ही आपको खींच लेता है। यहां कई फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। चंडीगढ़ से मनाली के जिस फोरलेन की चर्चा देशभर में है, उसका सूरते हाल भी पिछले साल की बाढ़ ने बुरी तरह बिगाड़ दिया था। उस पर दिन-रात काम चल रहा है। मोदी भले ही विपक्ष की आलोचना के केन्द्र में हों, गडकरी की तारीफ हर किसी के जुबां पर है। मंडी से कुल्लू के मध्य काफी हद तक फोरलेन की मरम्मत कर उसे बेहतर बना दिया गया है। अप्रैल से जून तक कुल्लू-मनाली में पर्यटकों की भीड़ को देखकर यही लगता है कि हिमाचल में 'एक्सैसिव टूरिज़म' यानी अति पर्यटन के खतरे भी कम नहीं हैं। ऐसा लगता है मानों हिमाचल में शिमला, धर्मशाला और कुल्लू-मनाली के अलावा कोई दूसरा पर्यटन स्थल है ही नहीं। पर्यटन के बेजा दबाव ने इन शहरों के संरचनात्मक ढांचे को तहस-नहस कर डाला है। जब सैलानी सोलंग नाला या रोहतांग से लौटते हुए लेफ्टबैंक की सडक़ से नग्गर की ओर आते हैं तो सडक़ में गड्ढे और टूटे किनारों पर गाड़ी चलाते हुए वे हैरान-परेशान रह जाते हैं। नग्गर बाजार से रोरिक आर्ट गैलरी वाली दो किलोमीटर की सडक़ की ओर लोक निर्माण विभाग का निगाहे-करम गत 30 साल में शायद कभी नहीं हुआ। रोरिक आर्ट गैलरी घाटी

के लैंडस्के को देखकर लगता है, आप कोई पेंटिंग देख रहे हों। लेकिन जिस नग्गर में धरोहर के रूप में अनेक पुराने मंदिर हैं, कैसल है, वहां की सडक़ें आपको कई दफा तो रुला देती हैं। 'जब वी मेट' और 'रोज़ा' जैसी फिल्मों के अलावा अनेक फिल्मों की शूटिंग यहां हो चुकी है।

अनेक रूसी कलाकार, एम्बैसडेर और डिप्लोमैट रोरिक की धरोहर को देखने आते हैं। उनके ज़हन पर सडक़ों का क्या विपरीत प्रभाव पड़ता होगा, सहज़ ही कल्पना की जा सकती है। यहां 1942 में रोरिक व देविका रानी के निमंत्रण पर नेहरु और इंदिरा गांधी आए थे। मनाली शहर का हिडिम्बा देवी भी एक अत्यन्त भीड़-भाड़ वाला स्थल है, लेकिन वहां भी सडक़ों में गड्ढे इस बात का प्रतीक हैं कि हिमाचल के मुख्यमन्त्रियों और मन्त्रियों में एक बड़े बीचों-बीच का अभाव रहा है। कुल्लू में ही बिजली महादेव के लिए नग्गर से 50 साल पूर्व वन विभाग की एक सडक़ बनी थी जो जंगल ज्यादा सडक़ कम है। आज भी बिजली महादेव जैसे अत्यन्त आकर्षक और नयनाभिराम स्थल तक पहुंचने के लिए सडक़ का मार्ग नहीं है। यह सचमुच कितना खेदजनक है कि लोकसभा चुनाव में हिमाचल की 4 सीटों और 6 विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में स्थानीय मुद्दे गायब हैं। शीर्ष नेता एक-दूसरे के राजनीतिक दलों पर आरोप-प्रत्यारोपों की बौछार कर रहे हैं। अभद्र, $गैर संसदीय और $गाली गलौज़ की भाषा का प्रयोग हो रहा है। वे जन समस्याओं के प्रति खामोश हैं। उस पर जनमानस भी अपने-अपने इलाके की सडक़ों को सुधारने के लिए मुखर नहीं है और चुप बैठा है। पर्यटन के कारोबार से हिमाचल की जीडीपी समृद्ध हो रही है। जीएसटी से आय हो रही है। लेकिन पर्यटन का अर्थ महज़ होटलों, होमस्टे आदि का बेतहाशा निर्माण नहीं हैं, अपितु सैलानियों को साफ-सुथरी सडक़ों का आधारभूत ढांचा भी उपलब्ध करवाना सरकार का कर्तव्य है।

लोक निर्माण विभाग संभवतः बेलगाम घोड़े के समान एक 'डॉयनासोर' की तरह अपना वजूद कायम किए हुए है, जिस पर किसी भी प्रकार के दबाव, आलोचना, टीका टिप्पणियां बेअसर हैं। इसकी कार्यप्रणाली पर सरकार, प्रशासन, अफसरों का शायद कोई अंकुश नहीं है। न ही कामकाज में पारदर्शिता। राजनेताओं, ठेकेदारों, अफसरों के गठजोड़ जगजाहिर हैं। केवल आम लोगों का द$खल ही उसे उत्तरदायी या ज़वाबदेह बना सकता है। सरकार की जंग सत्ता की कुर्सी की रक्षा के प्रति नहीं, आम लोगों की दुःख-तकलीफों को दूर करने में होनी चाहिए, जिसका संकेत दूर-दूर तक दिखाई नहीं देता। अगर सुक्खू सरकार चुनावों के बाद जाग जाए और सडक़ों को बेहतर कर दे, तो ही शायद लोग उसे पसंद करेंगे।

छिलकों की छाबड़ी : तालियां और गालियां

तालियों और गालियों का आपस में चोली-दामन का साथ है। इलेक्शन के दिनों में यह जोड़ी अपने साक्षात दर्शन करवाती है और खूब कमाल दिखाती है। जो नेता इलेक्शन जीतकर पूरे 5 साल पब्लिक से दूर रहते हैं और सत्ता के नशे में नित्त नए कारनामों को अंजाम देते हैं, उन्हें चुनावी बेला में गालियां सुनने को मिलती हैं। लेकिन जो जनता के बीच रहकर भी जनता का कोई काम नहीं करते और लंबी-लंबी छोडने में माहिर होते हैं, उन्हें तालियों की करतल ध्वनि सुनने को मिलती है। हमारा लोकतंत्र तालियों और गालियों के गणित पर टिका है। जो दोनों के बीच में तालमेल बिठा गया, वही असली नेता कहलाता है। कौन नेता दिमागी रूप से कितना चतुर है और कैसे खेल को अपने पक्ष में कर लेता है, यह भी चुनावी बेला में देखा जाता है। कई बार तो जेल यात्रा कर आए नेता भी अपनी सभा में अपने भाषण से तालियां लूट लेते हैं और पब्लिक उनके कृत्यों पर बलिहारी हो जाती है। और कई बार कोई नेता ईमानदारी की लकीर पर चलते हुए भी गालियों से अपना दिल बहलाता रहता है। गालियां खाकर भी तालियां बजवानी हों तो यह हुनर भी हमारे नेताओं को आता है। आपने अपने चुनावी घोषणा पत्र में अगर वायदे पूरे नहीं किए होंगे तो गालियां आपके लिए तैयार रहती हैं। लेकिन अगर आप कुछ नए वादों की पिटारी लेकर आ जाते हैं तो पब्लिक आप पर बलिहारी हो जाती है और पूरा माहौल तालियों से गूंजने लगता है।

जितने चकाचक वायदे होंगे, उतनी तड़ातड़ तालियां बजेंगी। गालियों से हटकर तालियों पर जनता का फोकस हो जाएगा। तालियां बजने के वीडियो सोशल मीडिया पर धड़ाधड़ शेयर होते चले जाएंगे। लोग गरीबी भूल जाएंगे। बेकारी भूल जाएंगे। भुखमरी भूल जाएंगे। भ्रष्टाचार भूल जाएंगे और वीडियो देखकर आगे से आगे फॉरवर्ड करते चले जाएंगे। नेताओं के ग्रह नक्षत्र चमक जाएंगे। देश की किस्मत चमक जाएगी। खुशियों का सूचकांक रिकॉर्ड तोड़ देगा। अब आप हमारे लोकतंत्र की खूबी देखिए या फिर जनता का मूड देखिए कि कई बार गालियां खाकर आया नेता भी तालियां बटोर कर ले जाता है। ऐसे नेताओं की किस्मत पर ही लोकतंत्र टिका हुआ है। मैं गालियां खाने और तालियां बटोरने वाले दोनों श्रेणी के नेताओं को इस चुनावी बेला में दंडवत प्रणाम करता हूं। पब्लिक का काम या तो गालियां देना है या तालियां बजाना है या फिर व्यवस्था के आगे दंडवत प्रणाम करना है, और बाद में गालियां खाना है। ऐसा करके पब्लिक अपना लोकतांत्रिक फर्ज ज्यादा करती है। लोकतंत्र इससे गदगद हो जाता है और उसकी जड़ें पाताल तक पहुंच जाती हैं। जो पाताल तक पहुंच गया, वह सर्वशक्तिमान कहलाता है। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे पास बहुत सर्वशक्तिमान नेता हैं जिनकी मोटी खाल पर कोई गाली असर नहीं करती। जिनकी पिटारी में एक से बढक़र एक चुनावी जुमले होते हैं। जनता इन जुमलों पर मेहरबान हो जाती है। ऐसे नेता हमारी आन, बान और शान हैं और उनके होते हमारे लोकतंत्र को कोई सांप नहीं सूंघ सकता। बिल्ली छींक नहीं मार सकती। अब खुश होकर बजाओ ताली। गालियों को मारो गोली।

गुरमीत बेदी

सेबी की सख्ती: कंपनियों को 24 घंटे के भीतर बतानी होगी 'अफवाह' की हकीकत, निवेशकों को ऐसे होगा फायदा

मार्केट रेगुलेटर सेबी शीर्ष-100 लिस्टेड कंपनियों के लिए नया नियम लाया है। इन कंपनियों के संबंध में अगर मीडिया में किसी तरह की बाजार अफवाह असामान्य घटना या सूचना आती है तो उन्हें 24 घंटे के भीतर उसकी पुष्टि या खंडन करना होगा। यह नियम आज यानी 1 जून से लागू भी हो गया है। शीर्ष-250 कंपनियों के लिए यह नियम एक दिसंबर 2024 से लागू होगा।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदने के बाद नवंबर 2022 में पैसे लेकर ब्लू टिक देने की सर्विस शुरू की। इसका शुरुआत में जमकर दुरुपयोग हुआ। कई शरारती तत्वों ने मशहूर हस्तियों और कंपनियों के नाम से फर्जी अकाउंट बनाया, ब्लू टिक खरीदा और अनाप शनाप ट्वीट करने लगे।

ऐसा ही एक फर्जी ब्लू टिक वाला ट्वीट अमेरिका की दिग्गज फार्मा कंपनी एली लिली (Eli Lilly) को 15 अरब डॉलर का नुकसान करा गया। दरअसल, एक ने इस कंपनी के नाम से फर्जी अकाउंट बनाया और 8 डॉलर देकर ब्लू टिक ले लिया। फिर उसने ट्वीट किया कि अब हमारी इंसुलिन फ्री में मिलेगी।

इससे एली लिली के निवेशकों में हड़कंप मच गया। उन्होंने जमकर बिकवाली की और एली लिली के शेयर करीब 5 फीसदी टूट गए और वो भी बेवजह। इससे कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन भी 15 अरब डॉलर यानी 1.20 लाख करोड़ रुपये घट गया। सिर्फ एक फर्जी खबर से निवेशकों के करोड़ों रुपये खाक हो गए।

यह मिसाल बताती है कि शेयर बाजार कितना संवेदनशील होता है और वह खबरों पर कितनी से रिएक्ट करता है, फिर चाहे वो असली हों या फिर फर्जी। यही वजह है कि भारत का शेयर मार्केट रेगुलेटर सेबी (SEBI) एक नया नियम लाया है, जो अफवाहों से निवेशकों के हितों की हिफाजत करेगा।

क्या है सेबी का नया नियम?

मार्केट रेगुलेटर सेबी का नया नियम अभी मार्केट कैप के हिसाब से शीर्ष-100 लिस्टेड कंपनियों के लिए है। इन कंपनियों के संबंध में अगर मीडिया में किसी तरह की बाजार अफवाह, असामान्य घटना या सूचना आती है, तो उन्हें 24 घंटे के भीतर उसकी पुष्टि या खंडन करना होगा।

जैसे कि अगर किसी कंपनी के बारे में अफवाह उड़ती है कि वह किसी अन्य कंपनी से बड़ी डील कर रही है या फिर उसके डायरेक्टर ने इस्तीफा दे दिया है, तो उसे एक दिन के भीतर इसकी पुष्टि या खंडन करना होगा। यह नियम आज यानी 1 जून से लागू भी हो गया है। शीर्ष-250 कंपनियों के लिए यह नियम एक दिसंबर 2024 से लागू होगा।

एमएमजेसी एंड एसोसिएट्स के फाउंडर मकरंद एम जोशी ने कहा कि इस कदम से ऐसी सूचना लीक होने से रोकी जा सकेगी, जो किसी खास कॉरपोरेट कार्यवाही में मूल्यांकन को प्रभावित करेगी। उन्होंने कहा कि सेबी की यह पहल अफवाह सत्यापन ढांचे को मजबूत करने और एक निष्पक्ष बाजार उपलब्ध कराने में मदद करेगी। इससे भारत दुनियाभर के निवेशकों के लिए एक पसंदीदा बाजार बन जाएगा।

निवेशकों के लिए अलर्ट: छोटी सी गलती और हो जाएंगे कंगाल; SEBI ने दी सख्त चेतावनी

SEBI ने अपनी एडवाइजरी में कहा कि स्कैमर्स खुद को वैलिड रजिस्ट्रड माध्यम बताते हैं। ये लोग फेसबुक और वॉट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से धोखाधड़ी की गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। भोले-भाले निवेशकों को लुभाने के लिए स्कैमर्स अच्छा रिटर्न देने का वादा करते हैं। इनके कहने पर कुछ लोग ऐप डाउनलोड भी कर लेते हैं।

नई दिल्ली। ऑनलाइन होने वाले स्कैम और फ्रॉड तेजी से बढ़ रहे हैं। अब निवेशकों को फ्रॉड व स्कैम से अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। स्टॉक एक्सचेंज बॉर्ड ऑफ इंडिया (SEBI) ने निवेशकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग के नाम पर पुणे से स्कैम का मामला सामने आया है। जिसके बाद सेबी के द्वारा ये जरूरी जानकारी निवेशकों को दी गई है। इसलिए यहां उन बातों के बारे में बताने वाले हैं, जो ट्रेडिंग करते वक्त निवेशकों को ध्यान में रखनी चाहिए।

क्या है स्कैमर्स का प्लान?: SEBI ने अपनी एडवाइजरी में कहा कि स्कैमर्स खुद को वैलिड रजिस्ट्रड माध्यम (Valid registered Arbitrators) बताते हैं। ये लोग फेसबुक और वॉट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से धोखाधड़ी की गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। भोले-भाले ग्राहकों को लुभाने के लिए स्कैमर्स अच्छा रिटर्न देने का वादा करते हैं। निवेशकों को लगता है कि वह सही जगह हैं तो इनके कहने पर ऐप डाउनलोड भी कर लेते हैं। जिसके बाद निवेश करना भी शुरू कर देते हैं। लेकिन ये निवेश वास्तव में स्टॉक एक्सचेंज/डिपॉजिटरी पर नहीं होते हैं। एक बार जब इन ऐप्स के जरिये निवेश कर लिया जाता है तो ऐप यूजर्स के लिए काम करना बंद कर देता है। खासकर ये परेशानी जब आती है तब निवेशक पैसे निकालने का प्रयास करते हैं।

पंजीकृत डिपॉजिटरी प्रतिभागियों की करें जांच: सेबी ने कहा कि निवेशकों को कहीं भी निवेश करने से पहले आधिकारिक वेबसाइट पर सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (CDSL) के पंजीकृत डिपॉजिटरी प्रतिभागियों (DP) की जांच कर लेनी चाहिए। निवेशकों के लिए सेबी ने एक वेबसाइट भी जारी की है। जो www.cdslindia.com/DP/dplist.aspx. है। यहां सभी पंजीकृत डिपॉजिटरी की जानकारी मिल जाएगी।

इन बातों का रखें ख्याल...: सर्टिफाइड ऐप से करें निवेश: निवेश करने से पहले सुनिश्चित करें कि आप सर्टिफाइड ऐप के जरिये निवेश कर रहे हैं। कई ऐसे ऐप हैं जो हाई रिटर्न देने का दावा करते हैं। लेकिन असल में वह स्कैम करने के लिहाज से डिजाइन किए जाते हैं।

एक्सपर्ट से सलाह लें: निवेश करने से पहले एक्सपर्ट से सलाह लेनी चाहिए और किसी भी ऐप को इंस्टॉल नहीं करना चाहिए।

डीमेट अकाउंट में कितने निवेश पर देनी होती है कितनी फीस, यहां जानें डिटेल्स

परिवहन विशेष न्यूज

Demat Account Limit

स्टॉक या म्यूचुअल फंड (Mutual Fund) खरीदने के लिए डीमैट अकाउंट (Demat Account) का होना जरूरी है। अगर आप भी शेयर बाजार में निवेश करते हैं तो क्या आप जानते हैं कि डीमैट अकाउंट में निवेश की लिमिट कितनी है? आप कितनी राशि डीमैट अकाउंट में जमा कर सकते हैं और इस पर सालाना कितना चार्ज देना होता है।

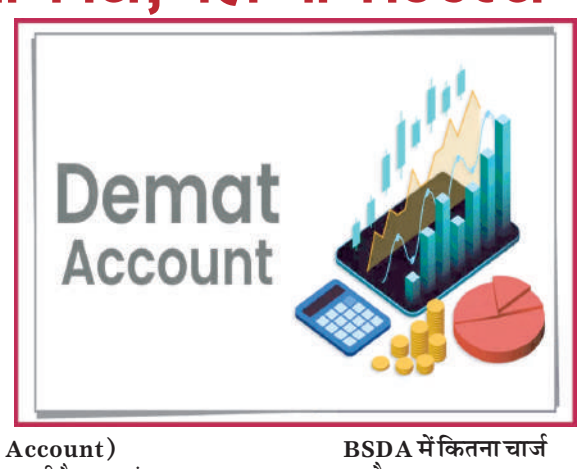

नई दिल्ली। शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड के निवेशकों की संख्या में लगातार तेजी देखने को मिली है। स्टॉक मार्केट या म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए डीमैट अकाउंट का होना जरूरी है। बिना डीमैट अकाउंट के आप निवेश नहीं कर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कोविड-19 के बाद डीमैट अकाउंट की संख्या में लगातार तेजी देखने को मिली है। हाल में आई रिपोर्ट के अनुसार डीमैट अकाउंट की संख्या 10 करोड़ के पार पहुंच गया है।

अगर आप भी शेयर बाजार में निवेश करते हैं तो क्या आप जानते हैं कि डीमैट अकाउंट में निवेश की लिमिट कितनी है? आप कितनी राशि डीमैट अकाउंट में जमा कर सकते हैं और इस पर सालाना कितना चार्ज देना होता है।

डीमैट अकाउंट क्या है? (What is Demat Account)

डीमैट अकाउंट एक तरह का अकाउंट है। यह बैंक अकाउंट की तरह ही काम करता है। बैंक अकाउंट और डीमैट अकाउंट में अंतर केवल इतना है कि बैंक अकाउंट में राशि जमा होती है वहीं, डीमैट अकाउंट में फाइनेंशियल सिक्योरिटी डिपॉजिट होती है। डीमैट अकाउंट के जरिये आप आसानी से स्टॉक, म्यूचुअल फंड, बॉन्ड आदि खरीद-बेच सकते हैं।

डीमैट अकाउंट इंडियन डिपॉजिटरीज जैसे सेंट्रल डिपॉजिटरीज सर्विसेज लिमिटेड (CDSL) और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरीज लिमिटेड (NSDL) द्वारा मैनेज किया जाता है।

यूजर को दो तरह के डीमैट अकाउंट मिलते हैं। पहले बेसिक सर्विस डीमैट अकाउंट (BSDA) होता है। इसमें सालाना 2 लाख रुपये तक का निवेश कर सकते हैं। वहीं दूसरा फुल सर्विस डीमैट अकाउंट होता है।

BSDA में कितना चार्ज लगता है

सेबी (SEBI) ने वर्ष 2012 में बेसिक सर्विस डीमैट अकाउंट शुरू किया था। इस अकाउंट का उद्देश्य छोटे और रिटेल निवेशकों को शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड जैसे इन्वेस्टमेंट ऑप्शन की तरफ आकर्षित करना है। निवेशक इसके जरिये ईटीएफ (ETF) में भी निवेश कर सकते हैं।

BSDA को मैनेज करने के लिए निवेशकों को सालाना 100 रुपये और जीएसटी शुल्क देना होता है। अगर निवेशक सालाना 2 लाख रुपये से ज्यादा का निवेश करता है तो ऑटोमेटिक उसका अकाउंट फुल सर्विस डीमैट अकाउंट में चेंज हो जाएगा।

फुल सर्विस डीमैट अकाउंट में निवेश की कोई लिमिट नहीं होती है। इस अकाउंट पर निवेशक को सालाना लगभग 1000 रुपये और जीएसटी देना होता है। इस अकाउंट में निवेशक को सब तरह के निवेश का एक्सेस मिल जाता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर जिनपिंग के रुख से खफा अमेरिका, चाइनीज कंपनियों और बैंकों पर गिर सकती है गाज

परिवहन विशेष न्यूज

अमेरिका का मानना है कि चीन को यह सामूहिक संदेश देने की जरूरत है कि वह और उसके संस्थान जिस तरीके से रूस की मदद कर रहे हैं उससे यूरोपीय और नाटो देश काफी नाराज हैं। अमेरिकी प्रशासन ने इस बारे में जापान और दक्षिण कोरिया के उप विदेश मंत्रियों के साथ मीटिंग भी की थी। सभी देश चीन की कंपनियों के खिलाफ एक्शन लेने का प्लान बना रहे हैं।

नई दिल्ली। अमेरिका का जो बाइडेन प्रशासन रूस-यूक्रेन युद्ध पर चीन के रुख से काफी नाराज है। चीन की शी जिनपिंग की अगुआई वाली सरकार युद्ध के बाद से लगातार रूस का सपोर्ट कर रही है। इससे अमेरिका और उसके सहयोगी चीन की कंपनियों और वित्तीय संस्थानों के खिलाफ एक्शन लेने का प्लान बना रहे हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने एक शीर्ष अमेरिकी अधिकारी के हवाले से यह खबर दी है।

बाइडेन प्रशासन ने पिछले साल दिसंबर में एक कार्यकारी आदेश जारी किया था। इसमें पश्चिमी प्रतिबंधों से बचने में रूस की मदद करने वाले वित्तीय संस्थानों के एक्शन लेने की बात कही थी। अब अमेरिका ने उस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

चीनी कंपनियों, बैंक पर गिरेगी गाज!

अमेरिकी उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल से सवाल किया गया कि क्या रूस का सहयोग करने के लिए चीनी सरकार और बैंकों को निशाना बनाया जा सकता है। कैंपबेल ने कहा, 'हम मुख्य रूप से उन चीनी कंपनियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो रूस का समर्थन करने में एक व्यवस्थित तरीके से शामिल हैं। हमने वित्तीय संस्थानों पर भी बारीकी से नजर रखी है।'

अमेरिका का मानना है कि चीन को यह सामूहिक संदेश देने की जरूरत है कि वह और उसके संस्थान जिस तरीके से रूस की मदद कर रहे हैं, उससे यूरोपीय और नाटो देश काफी नाराज हैं। अमेरिकी प्रशासन ने इस बारे में जापान और दक्षिण कोरिया के उप विदेश मंत्रियों के साथ मीटिंग भी की थी।

चीन पर निर्भरता घटाने पर फोकस

अमेरिकी उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने कहा, 'न सिर्फ अमेरिका, बल्कि हमारे अन्य सहयोगी देश भी ऐसा कदम उठाएंगे, जिनसे पता चलेगा कि चीन जिस तरह से रूस की मदद कर रहा है, उससे हम कितने ज्यादा नाराज है।' उन्होंने कहा कि हम ऐसे उपाय भी कर रहे हैं, जिससे महत्वपूर्ण संसाधनों के लिए रूस और चीन पर निर्भरता कम की जा सके।

कैम्पबेल ने सिंगापुर में शांगरी-ला डायलॉग रक्षा शिखर सम्मेलन में दिए गए भाषण के लिए फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर की भी सराहना की, जहां एशियाई नेता ने विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन के 'अवैध, बलपूर्वक और आक्रामक' कार्रवाइयों का संकेत दिया। कैम्पबेल ने भाषण की प्रशंसा करते हुए इसे मजबूत और उद्देश्यपूर्ण बताया।

इन तीन शेयरों में बन रहा कमाई का शानदार मौका, एक्सपर्ट ने दी खरीदने की सलाह

परिवहन विशेष न्यूज

शेयर बाजार में पिछले कुछ कारोबारी सत्रों से लगातार गिरावट दिख रही है। लेकिन इसके बावजूद कुछ शेयरों में कमाई के शानदार मौके बन रहे हैं। ये शेयर नियर टर्म में आपको अच्छा मुनाफा कर सकते हैं। हम आपको तीन स्टॉक के बारे में बता रहे हैं जिनसे आपको कमाई का अच्छा मौका मिल सकता है। इन तीनों शेयरों को एक्सपर्ट ने सुझाया है।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच शेयर मार्केट में काफी उतार-चढ़ाव दिख रहा है। निवेशक चुनावी नतीजों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरत रहे हैं। लेकिन, इन सबके बीच कुछ स्टॉक में लगातार कमाई के मौके मिल रहे हैं। हम आपको तीन स्टॉक के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको कमाई का अच्छा मौका मिल सकता है।

अच्छी कमाई करा सकता है BHEL

LKP सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्निकल एनालिस्ट रूपक डे का कहना है कि BHEL ने डेली चार्ट पर एक कंसालिडेशन ब्रेकआउट का अनुभव किया है। इससे स्टॉक की रफ्तार में संभावित बदलाव का संकेत मिलता है। दूसरे संकेतों से भी पता चलता है कि इसमें शॉर्ट में अच्छी ग्रोथ हो सकती है। LKP सिक्योरिटीज ने BHEL को नियर टर्म में 320 रुपये के टारगेट प्राइस के लिए खरीदने की सलाह दी है। वहीं, स्टॉप लॉस 290 रुपये पर रखने का सुझाव है।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी है। BHEL के शेयर आखिरी कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को 3.04 फीसदी की उछाल के साथ 299.60 रुपये पर बंद हुए। इस शेयर ने पिछले 6 महीने में 70 और एक साल में 260 फीसदी का बंपर रिटर्न दिया है।

IRCON में भी है मुनाफे की गुंजाइश

LKP सिक्योरिटीज का कहना है कि इंडियन रेलवे कंस्ट्रक्शन इंटरनेशनल लिमिटेड (IRCON) ने डेली चार्ट पर रैली के बाद कंसालिडेशन का अनुभव किया है। इससे पता चलता है कि अब ठहराव के बाद इसमें तेजी आ सकती है। LKP सिक्योरिटीज ने 272 रुपये वाले IRCON को शॉर्ट टर्म में 290 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदने की सलाह दी है। इसका सपोर्ट 262 पर रखा है।

पब्लिक सेक्टर की IRCON इंटरनेशनल ने पिछले 6 महीने में करीब 55 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले एक साल में निवेशकों को IRCON इंटरनेशनल से 236 फीसदी का मुनाफा हुआ है।

GESHIP से होगी तगड़ी कमाई

ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी लिमिटेड (GESHIP) देश की सबसे बड़ी प्राइवेट शिपिंग कंपनियों में से एक है। यह मुख्य रूप से तरल, गैस और ठोस थोक उत्पादों का ट्रांसपोर्टेशन करती है। इसके शेयर शुक्रवार को 5 फीसदी से अधिक के उछाल के साथ 1,082.00 रुपये पर बंद हुए।

LKP सिक्योरिटीज का कहना है कि स्टॉक दो से तीन के कंसालिडेशन पीरियड से गुजरा है। इसने अपनी स्थिति को भी औसत से ऊपर बनाकर रखा है। LKP सिक्योरिटीज GESHIP को नियर टर्म में 1170 के टारगेट प्राइस पर खरीदने की सलाह दी है। वहीं, स्टॉप लॉस 1039 पर रखने का सुझाव है।

केजरीवाल-येचुरी समेत इन दिग्गजों ने बताया कितनी सीटें जीत रहा INDI गठबंधन, NDA को नहीं दिया बहुमत

लोकसभा चुनाव के परिणाम से पहले शनिवार को इंडी गठबंधन के नेताओं ने हाई लेवल बैठक की। बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई जिसमें गठबंधन के लगभग सभी शीर्ष नेता शामिल हुए। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण की वोटिंग खत्म होने से पहले बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बताया कि उनका गठबंधन 295 सीटें जीतने जा रहा है।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के परिणाम से पहले शनिवार को इंडी गठबंधन के नेताओं ने हाई लेवल बैठक की। बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई, जिसमें गठबंधन के लगभग सभी शीर्ष नेता शामिल हुए।

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण की वोटिंग खत्म होने से पहले बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बताया कि उनका गठबंधन 295 सीटें जीतने जा रहा है। बैठक के बाद गठबंधन के नेताओं ने मीडिया से बातचीत की।

उत्तर प्रदेश में भाजपा सभी सीटें हारेगी-सपा प्रमुख

इंडी गठबंधन के नेताओं की बैठक खत्म होने के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, ₹उत्तर प्रदेश में भाजपा सभी सीटें हारेगी और इंडी गठबंधन सबसे ज्यादा सीटें जीतेगा। बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी, सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स का भूकंप आया था। ये सारे भूकंप खत्म हो जाएंगे।"

पीएम का चेहरा 4 जून को तय किया जाएगा- केजरीवाल

गठबंधन के नेताओं की बैठक के बाद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, ₹भारत गठबंधन को 295 से ज्यादा सीटें मिल रही हैं और भाजपा लगभग 220 सीटें जीतेगी और एनडीए गठबंधन 235 सीटें जीतेगा। इंडी गठबंधन अपने दम पर एक मजबूत और स्थिर सरकार बनाएगा। (पीएम का चेहरा) 4 जून को तय किया जाएगा।"

भाजपा की '400 पार की फिल्म पहले चरण में ही फ्लॉप- तेजस्वी

वहीं, बैठक के बाद बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा, ₹हमें 295 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। इंडी गठबंधन जीत रहा है। हम पीएम के चेहरे पर बाद में फैसला करेंगे। भाजपा की '400 पार' की फिल्म पहले चरण में ही फ्लॉप हो गई।"

एकतरफा होने जा रहा है चुनाव- डी राजा

सीपीआई महासचिव डी राजा ने कहा, "बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि हमें मतगणना प्रक्रिया के दौरान बहुत सतर्क रहना है। हमें अपने एजेंटों को सचेत करना है कि उन्हें कैसे सतर्क रहना है। इस मुद्दे पर, हम चुनाव आयोग से मिल सकते हैं। हमें जैसे ही चुनाव आयोग कल समय देगा, हमारे नेता चुनाव आयोग से मिलेंगे। चुनाव के परिणाम सामने आ रहे हैं, यह एकतरफा होने जा रहा है। हम 295 से ज्यादा सीटें जीतेंगे।"

हमारा आंकड़ा लोगों के सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार- येचुरी

सीपीआई(एम) महासचिव सीताराम येचुरी ने मल्लिकार्जुन खरगे के बयान (295 सीटें जीतने का दावा) पर कहा, ₹भाजपा ने दावा किया है कि वे 400 सीटें पार कर रहे हैं, लेकिन हमने जो आंकड़ा आज आपके सामने रखा है वह लोगों द्वारा किए गए सर्वेक्षण में बताए गए आंकड़ों के अनुसार है। प्रधानमंत्री का चेहरा तब तय किया जाएगा जब हम सरकार बनाने की स्थिति में आएंगे।"

सातवें चरण में पश्चिम बंगाल में हिंसा, गुस्साई भीड़ ने EVM लूटकर तालाब में फेंकी; संदेशखाली में भी हुआ विवाद

अब तक लगभग शांतिपूर्ण हो रहे लोकसभा चुनाव में शनिवार को सातवें और अंतिम चरण के मतदान के दौरान पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा ने पूरे चुनाव पर दाग लगा दिया है। इस दौरान पश्चिम बंगाल में मारपीट के साथ ईवीएम लूटने की भी घटना हुई है। हालांकि निर्वाचन आयोग ने इस घटना को वोटिंग शुरू होने से पहले का बताया है।

नई दिल्ली। अब तक लगभग शांतिपूर्ण हो रहे लोकसभा चुनाव में शनिवार को सातवें और अंतिम चरण के मतदान के दौरान पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा ने पूरे चुनाव पर दाग लगा दिया है। इस दौरान पश्चिम बंगाल में मारपीट के साथ ईवीएम लूटने की भी घटना हुई है। हालांकि निर्वाचन आयोग ने इस घटना को वोटिंग शुरू होने से पहले का बताया है। इस बीच अंतिम चरण में आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर 59 प्रतिशत मतदान हुआ है। इस दौरान सबसे अधिक 69.89 प्रतिशत मतदान पश्चिम बंगाल में हुआ है। जो पिछले छह चरणों के मुकाबले कम है। सबसे कम 49.35 प्रतिशत मतदान बिहार में हुआ है। अब नतीजे चार जून को आएंगे। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव के सभी सातों चरणों में करीब 65 फीसद मतदान हुआ है। जो 2019 के मुकाबले कम है। 2019 में 67.4 प्रतिशत मतदान हुआ था।

सातवें व अंतिम चरण में उत्तर प्रदेश में 55.55 मतदान : निर्वाचन आयोग के मुताबिक सातवें व अंतिम चरण में हिमाचल प्रदेश में 66.91, उत्तर प्रदेश में 55.55, पंजाब में 55.58, ओडिशा में 62.76 , झारखंड में 68.32 प्रतिशत व चंडीगढ़ में 62.80 प्रतिशत मतदान हुआ है। लोकसभा चुनाव के इससे पहले के चुनाव में भी कमोबेश कुछ ऐसा ही मतदान प्रतिशत रहा है।

अंतिम चरण के चुनाव में प्रमुख चेहरे मैदान में : अंतिम चरण के इस चुनाव में जो प्रमुख चेहरे मैदान में है, उनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ही केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर, महेन्द्र नाथ पांडेय, रामकृपाल यादव,अनुप्रिया पटेल, कंगना रानौत, मीसा भारती और अभिषेक बनर्जी शामिल है। लोकसभा चुनाव के साथ ओडिशा के विधानसभा चुनाव भी समाप्त हो गए। जहां अंतिम चरण में लोकसभा के साथ मतदान था।

'सिंगल हूं दिल्ली पुलिस, गर्लफ्रेंड कब बनवाओगे?', मिला ऐसा जवाब पढ़ लोटपोट हो जाएंगे आप

31 मई को हर साल वर्ल्ड नो टोबैको डे मनाया जाता है। सोशल मीडिया पर हमेशा सक्रिय रहने वाली दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को एक पोस्ट किया। वह पोस्ट तब वायरल हो गया। जब इस पर एक शख्स ने फनी कमेंट किया। जिसके बाद पुलिस ने भी उसका मजेदार जवाब दिया। जिसके बारे में पढ़कर आप भी लोटपोट हो जाएंगे।

नई दिल्ली। बीते दिन 'वर्ल्ड नो टोबैको डे' मनाया गया। जिसको लेकर दिल्ली पुलिस ने लोगों को जागरुक करने के लिए अपने सोशल मीडिया के एक्स पर एक पोस्ट डाला।

दिल्ली पुलिस ने किया मजेदार कमेंट

इसी बीच सोशल मीडिया पर अच्छा खासा एक्टिव रहने वाली दिल्ली पुलिस की इस पोस्ट पर एक युवक ने ऐसा कमेंट किया कि उसे पढ़ कोई अपनी हंसी रोक नहीं पाया। हालांकि पुलिस ने भी उसका ऐसा जवाब दिया कि उस पोस्ट ने लोगों को खूब गुदगुदाया। जिसे पढ़कर आप भी अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे।

यूजर ने लिखा-मेरी गर्लफ्रेंड कब बनवाओगे ?

दिल्ली पुलिस के 'नो टोबैको डे' जागरुकता पोस्ट पर एक शख्स ने कमेंट करते हुए लिखा कि मेरी गर्लफ्रेंड कब बनवाओगे ? मैं अभी सिग्नल हूं दिल्ली पुलिस। यह उचित नहीं है, आपको मेरे लिए एक गर्लफ्रेंड ढूंढने में मेरी मदद करनी चाहिए'। दरअसल यहां पर शिवम भारद्वाज नाम के शख्स ने पोस्ट में एक गलती कर दी। उसने सिंगल को सिग्नल लिख दिया।

शिवम के पोस्ट का जवाब देते हुए दिल्ली पुलिस ने लिखा कि 'सर, हम उसे ढूंढने में आपकी मदद कर सकते हैं (केवल अगर वह कभी लापता हो जाए)। टिपः यदि आप 'सिग्नल' हैं, तो हम आशा करते हैं कि आप हरे रहेंगे, लाल नहीं।'

शिवलिंगम और ज्योतिर्लिंगम के बीच अंतर और, परमाणु ऊर्जा के साथ उनका संबंध

शिवलिंगम और ज्योतिर्लिंगम के बीच सूक्ष्म अंतर हैं। शिवलिंगम भगवान शिव का एक पवित्र प्रतिनिधित्व है, आमतौर पर एक मानव निर्मित संरचना है जिसे प्राण प्रतिष्ठा के माध्यम से पवित्र किया जाता है। इसके विपरीत, ज्योतिर्लिंग अद्वितीय शिवलिंग हैं जिनमें भगवान शिव स्वयं को विभिन्न दिव्य रूपों (स्वयंशंभु) में प्रकट करते हैं।

"ज्योतिर्लिंग" शब्द "ज्योति" को जोड़ता है, जिसका अर्थ है 'चमक' या 'प्रकाश', और "लिंगम", जो भगवान शिव के प्रतीक को दर्शाता है। इस प्रकार, ज्योतिर लिंगम शिव के उज्ज्वल चिन्ह को संदर्भित करता है, जिसे अक्सर 'प्रकाश का प्रतीक' कहा जाता है।

ज्योतिर्लिंगों का विस्तृत विवरण शिव पुराण में मिलता है। मान्यता के अनुसार, शिव पहली बार अरुद्र उत्सव की रात सोमनाथ के रूप में एक ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए थे। आदि शंकराचार्य की शिक्षाओं के अनुसार 12 मान्यता प्राप्त ज्योतिर्लिंग हैं, हालाँकि यह निरंतर शोध का विषय बना हुआ है।

कुछ विशेषज्ञ ज्योतिर्लिंग की तुलना एक परमाणु रिएक्टर से करते हैं, जो विभिन्न सिद्धांत प्रस्तुत करते हैं जो इसे अन्वेषण के लिए एक आकर्षक विषय बनाते हैं। ज्योतिर्लिंगों की दिलचस्प प्रकृति ने शोधकर्ताओं के बीच रुचि जगाई है, जो भगवान शिव की इन पवित्र अभिव्यक्तियों के आसपास चल रहे अध्ययन और जांच में योगदान दे रहे हैं।

अपनी प्रसिद्ध पुस्तक ₹वैदिक विश्वः राष्ट्र का इतिहास₹ में दिवंगत प्रसिद्ध इतिहासकार पी.एन. ओक ने प्राचीन भारत में ₹12 आणविक ऊर्जा केंद्र₹ की अवधारणा पर चर्चा की। उन्होंने पुस्तक के अध्याय 21 में उल्लेख किया है कि माना जाता है कि भारत में 12 पवित्र स्थल हैं जिन्हें ₹ज्योतिर्लिंग₹ के नाम से जाना जाता है, जिन्हें इन ऊर्जा केंद्रों का स्थान माना जाता है।

उल्लिखित सिद्धांत के अनुसार, ये ज्योतिर्लिंग महत्वपूर्ण ऊर्जावान गुणों से जुड़े हुए माने जाते हैं, जो संभवतः भारत में दैवीय ऊर्जा केंद्रों से संबंधित प्राचीन मान्यताओं और प्रथाओं के अनुरूप हैं।

परमाणु रिएक्टर परमाणु विखंडन और संलयन के सिद्धांतों के आधार पर काम करते हैं, जिसमें नाभिक शामिल होता है जो बहुत अधिक प्रकाश और गर्मी उत्सर्जित करता है। जैसा कि पहले बताया गया है, ज्योतिर्लिंग प्रकाश का प्रतीक है। शिव मंदिरों में नियमित अंतराल पर ज्योतिर्लिंग पर जल का निरंतर टपकना बना रहता है।

अब, कृपया भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) की संलग्न तस्वीर का अवलोकन करें। बारीकी से जांच करने पर दोनों छवियों के बीच आश्चर्यजनक समानताएं सामने आती हैं। BARC का मुख्य परमाणु रिएक्टर, अपनी बेलनाकार संरचना के साथ, शिव लिंगम के आकार से उल्लेखनीय समानता रखता है। दोनों ही मामलों में, परमाणु रिएक्टर को ठंडा करने के लिए नियमित जल आपूर्ति आवश्यक है क्योंकि यह ऊर्जा उत्पादन प्रक्रिया के दौरान गर्म हो जाता है। जिस चट्टान पर शिव लिंग स्थित है, उस पर तरंगों की तुलना केंद्र की परिक्रमा करने वाले इलेक्ट्रॉनों के पथ से की जा सकती है।

इन समानताओं को नोट करना दिलचस्प है, जो प्राचीन धार्मिक प्रतीक और BARC में परमाणु रिएक्टर जैसी आधुनिक वैज्ञानिक संरचनाओं के बीच संभावित कनेक्शन या समानता का सुझाव देते हैं।

भगवान शिव के समान, परमाणु ऊर्जा में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू होते हैं। शिव का आशीर्वाद योग्य और अयोग्य दोनों प्रकार के व्यक्तियों को मिलता है, जिसका दुरुपयोग होने पर कभी-कभी मानवता के लिए विनाशकारी परिणाम होते हैं। इसी प्रकार, जब परमाणु ऊर्जा गलत हाथों में पड़ती है, तो इसके विनाशकारी प्रभाव हो सकते हैं।

यह आश्चर्य की बात नहीं है कि हमारे वैज्ञानिक शिव की तरंग की अवधारणा से प्रेरणा लेते हैं, क्योंकि परमाणु ऊर्जा के प्रकटीकरण में भगवान शिव की तीसरी आंख के खुलने के समान विनाशकारी क्षमताएं हो सकती हैं, जो विनाश का प्रतीक है।

शिव मंदिरों में, लिंगम से बहने वाले पानी को पवित्र माना जाता है और उपभोग के लिए नहीं है। इसका कारण इस बात से तुलनीय है कि परमाणु रिएक्टर का पानी पीने योग्य क्यों नहीं है - क्योंकि यह शक्तिशाली ऊर्जा से चार्ज या प्रभावित होता है, जिससे यह सामान्य उपयोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है। लिंगम और परमाणु रिएक्टर के पानी की आवेशित प्रकृति इन दोनों तत्वों से जुड़े प्रतीकात्मक और ऊर्जावान महत्व को उजागर करती है।

हालाँकि मैं यह दावा नहीं करता कि ज्योतिर्लिंग सीधे परमाणु रिएक्टरों या हथियारों से संबंधित हैं, लेकिन, वे उच्च-स्तरीय ऊर्जा के एक रूप से जुड़े हुए प्रतीत होते हैं जो हमारी वर्तमान समझ से परे है।

इसके अलावा, एक दिलचस्प अवलोकन यह है कि इन ज्योतिर्लिंगों को रणनीतिक रूप से एक प्रगतिशील सर्पिल में रखा गया है। मानचित्र पर ज्योतिर्लिंग मंदिरों को जोड़ने वाली एक रेखा खींचने पर, परिणामी आकृति या तो शंख या फाइबोनैचि पैटर्न जैसी दिखती है। फाइबोनैचि श्रृंखला में आकर्षक गुण हैं, और मैं व्यक्तिगत रूप से मानता हूं कि यह एक ऐसे तरीके का प्रतिनिधित्व कर सकता है जिसके माध्यम से एक उच्च शक्ति या दिव्यता हमारे साथ बातचीत करती है।

डेरा सच्चा सौदा के मैनेजर रंजीत की हत्या के मामले में राम रहीम को हाई कोर्ट द्वारा वरी करना दुर्भाग्यपूर्ण :बीबी रणजीत कौर

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्लीः डेरा सच्चा सौदा के मैनेजर रंजीत की हत्या प्रकरण से हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा राम रहीम को बरी किए जाने को दुर्भाग्य पूर्ण बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में शरण लेने की अपील सीबीआई एवं केंद्र सरकार से की है।

हाई कोर्ट में मामले से बरी हो जाने पर देश की बड़ी अनुसंधान एजेंसी सीबीआई के अनुसंधान पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। साल 2002 के इस हत्याकांड में सीबीआई ने अनुसंधान कर राम रहीम के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल हुआ और सेशन कोर्ट में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

आखिर ऐसे कौन से तथ्य थे जिनके आधार पर सेशन कोर्ट में सीबीआई आरोप साबित करने में सफल हो गई और हाई कोर्ट में वे साक्ष्य और तथ्य धरे के धरे रह गए।

हाई कोर्ट के फैसले का गहन कानूनी अध्ययन हरियाणा एवं केंद्र सरकार के द्वारा किया जाना चाहिए। आखिरकार सीबीआई के अनुसंधान में कहां गड़बड़ी अथवा चूक हुई जिसका लाभ संत बाबा राम रहीम को मिला है।

हाई कोर्ट के फैसले से कई लोगों में निराशा छाई है और न्याय मिलने की उम्मीद पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। ऐसे में केंद्र सरकार को बिना वोट की राजनीति के विशुद्ध रूप से आपराधिक दंड प्रक्रिया के तहत हाई कोर्ट के फैसले की गहन समीक्षा करनी चाहिए। जिससे वर्षों से न्याय पाने की उम्मीद रखे रंजीत और अन्य पीड़ित परिवार का न्याय के प्रति भरोसा बना रहे। यदि सीबीआई ने किसी के कहने और इशारे पर अनुसंधान किया था तो वैसे दोषी पदाधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

यह शब्द शिरोमणि अकाली दल दिल्ली इकाई की महिला विंग के मुख्य सेवादार बीबी रंजीत कौर ने मीडिआ को जारी किये गए प्रेस नोट के माध्यम से किये।

इंडिगो की चेन्नई-मुंबई फ्लाइट में मिली बम की धमकी, विमान की हुई इमरजेंसी लैंडिंग

चेन्नई से मुंबई जा रहे इंडिगो विमान6 E 5314 को शनिवार को बम की धमकी के कारण मुंबई हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। इंडिगो ने इसको लेकर एक बयान जारी किया है जिसके मुताबिक सभी यात्री विमान से सुरक्षित उतर गए हैं। विमान की अभी जांच चल रही है। सभी सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद विमान को वापस टर्मिनल क्षेत्र में ले जाया जाएगा।

नई दिल्ली। चेन्नई से मुंबई जा रहे इंडिगो विमान (IndiGo flight) 6 E 5314 को शनिवार को बम की धमकी मिली, जिससे यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। इसके बाद विमान की मुंबई हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। इंडिगो ने इसको लेकर एक बयान जारी किया है जिसके मुताबिक, सभी 172 यात्री विमान से सुरक्षित उतर गए हैं। विमान की अभी जांच चल रही है। सभी सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद विमान को वापस टर्मिनल क्षेत्र में ले जाया जाएगा।

पहले भी मिल चुकी धमकी

सूत्रों के अनुसार, विमान को सुबह करीब 8.45 बजे इमरजेंसी लैंड किया गया और सबी यात्रियों को विमान से उतारा गया। बता दें कि पिछले एक हफ्ते में इंडिगो की फ्लाइट से जुड़ी यह दूसरी ऐसी घटना है। 28 मई को दिल्ली से वाराणसी जा रही इंडिगो की फ्लाइट में बम होने की कथित धमकी मिली थी। सूत्र ने बताया कि शनिवार को चेन्नई-मुंबई रूट पर उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E5314 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई, जब पायलट ने मुंबई एटीसी को विमान में बम होने की कथित धमकी की सूचना दी थी।'

इंडिगो ने जारी किया बयान

चेन्नई-मुंबई उड़ान में बम की कथित धमकी की पुष्टि करते हुए इंडिगो ने एक बयान में कहा, 'मुंबई में उतरने पर, चालक दल ने प्रोटोकॉल का पालन किया और विमान को सुरक्षा एजेंसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार एक आइसोलेशन बे में ले जाया गया। सभी यात्री सुरक्षित रूप से विमान से उतर गए हैं, जिसकी वर्तमान में जांच की जा रही है। सभी सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद विमान को वापस टर्मिनल क्षेत्र में रखा जाएगा।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023